A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 10 सितम्बर , 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-13 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

इस दुनिया में लोग
पटरी पर सोने वालों
झुग्गियों में रहने वालों
रेहड़ी पटरी पर सामान बेचने वालों
चौराहे पर भीख मांगने की तरह
छोटा-मोटा सामान खरीदने की
मिन्नतें करने वालों
भंडारे की पूड़ी सब्जी के लिए लाइन
लगाने वालों
कम मजदूरी पर पूरा काम करने वालों
आय कर देने में असमर्थ लोगों
से ईर्ष्या करते हैं
उनकी इस ईर्ष्यालुवृत्ति के प्रति
पूरा सम्मान व्यक्त करते हुए
उनका जैसा होने से इनकार करता हूं
नमस्कार, जय हिंद, जय भारत कहता हूं।
- विष्णु नागर

प्रसंगवश

भारत ने पैरालंपिक में ओलंपिक से ज़्यादा पदक कैसे जीते?

जाह्नवी मुले

पेरिस पैरालंपिक-2024 में भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 7 गोल्ड समेत 29 मेडल जीतकर सफर समाप्त किया। खेल के अंतिम दिन भी देश को 3 मेडल मिले। पैरालंपिक में यह भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये भारतीय खेल प्रेमियों के लिए खुशी और गर्व की बात है। लेकिन इसके साथ ही कई लोग इस सफलता से हैरान भी हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पैरालंपिक खेलों के कुछ दिन पहले हुए ओलंपिक खेलों में भारत का प्रदर्शन इस तरह का नहीं था।

भारत ने 110 खिलाड़ियों का दल ओलंपिक खेलों के लिए भेजा था। इसके बावजूद भारत एक रजत और पांच कांस्य पदक यानी कुल 6 पदक ही जीत सका था। इसके अलावा छह खिलाड़ियों ने चौथा स्थान हासिल किया था। पैरालंपिक खेलों में भारत की तरफ़ से 84 खिलाड़ी गए थे और इन खिलाड़ियों ने ओलंपिक से चार गुणा ज़्यादा पदक हासिल किए हैं। ये कहानी सिर्फ़ भारत की ही नहीं है। ब्रिटेन, यूक्रेन और नाइजीरिया जैसे देशों के साथ भी ऐसा ही हुआ है।

ऐसे में कई लोग हैरान हैं कि कुछ देशों ने ओलंपिक के मुक़ाबले पैरालंपिक खेलों में बेहतर प्रदर्शन कैसे किया है? वैसे तो दोनों इवेंट की तुलना सही नहीं होगी। क्योंकि दोनों ही इवेंट में प्रतियोगिताओं का स्तर अलग-अलग होता है। साथ ही इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की मानसिक और शारीरिक क्षमता भी अलग-अलग होती है। ऐसा कहा जाता है कि एक तरफ़ जहां ओलंपिक किसी खिलाड़ी के शारीरिक स्तर की परीक्षा होता है या एक इंसान का शरीर कितनी क्षमता रखता है उसका परीक्षण करता है। वहीं पैरालंपिक, किसी शख्स के दृढ़ संकल्प और साहस का परीक्षण करता है।

अब ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में पदक हासिल करने में ऐसा अंतर क्यों है? इसके पीछे कई कारण हैं, साथ ही आंकड़े भी अपनी कहानी खुद बयां करते हैं। पहली बात तो ये है कि पैरालंपिक में ओलंपिक की तुलना में ज़्यादा मेडल दिए जाते हैं और कम देश इसमें हिस्सा लेते हैं। पेरिस ओलंपिक में 204 टीमों ने कुल 32 खेलों में 329 स्वर्ण पदकों के लिए हिस्सा लिया। जबकि पैरालंपिक में 170 टीमें 22 खेलों में 549 स्वर्ण पदकों के लिए हिस्सा ले रही हैं।

ऐसे में स्वाभाविक तौर पर पैरालंपिक में पदक जीतने की संभावना अधिक होती है और जो देश दोनों में ही यानी पैरालंपिक और ओलंपिक में हिस्सा लेते हैं, उनके लिए पैरालंपिक में ज़्यादा पदक जीतने की संभावना होती है। उदाहरण के तौर टोक्यो ओलंपिक में चीन ने 89 पदक हासिल किए वहीं टोक्यो पैरालंपिक में चीन के खाते में 207 पदक आए। ब्रिटेन ने टोक्यो ओलंपिक में 64 पदक तो दो हफ़्ते बाद हुए पैरालंपिक में 124 पदक हासिल किए थे। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में 7 पदक और पैरालंपिक में 19 पदक हासिल किए थे।

पेरिस में भी पदक तालिका में कुछ ऐसे ही रुझान दिखे। कुछ ऐसे देश हैं जो ओलंपिक की पदक तालिका में आगे थे और पैरालंपिक में पीछे नज़र आ रहे हैं, इन देशों में अमेरिका और जापान जैसे देश शामिल हैं। लेकिन नाइजीरिया, यूक्रेन और भारत जैसे देशों ने पैरालंपिक में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके पीछे ये कारण नज़र आ रहे हैं।

पैरालंपिक के मामले में दो चीज़ें जो पैसे से ज़्यादा निर्णायक हैं वो हैं देश की स्वास्थ्य सुविधाएं और विकलांगता के प्रति रवैया। यही वजह है कि पैरालंपिक में ब्रिटेन का प्रदर्शन अमेरिका की तुलना में बेहतर है। भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं में असमानता है। लेकिन इसके बावजूद दुनिया के कई दूसरे देशों की तुलना में यहां तक कि अमेरिका की तुलना में भारत में स्वास्थ्य सुविधाएं अपेक्षाकृत सस्ती हैं।

चीन और ब्राज़ील की तरह ही भारत एक बड़ी आबादी वाला देश है, इसका मतलब है कि यहां पर अलग-अलग पैरा-खेलों के लिए खिलाड़ियों की भी बड़ी संख्या है। लेकिन बड़ी संख्या होने पर भी हर बार ऐसा नहीं होता कि प्रदर्शन बेहतर ही हो। ये निर्भर करता है देश की संस्कृति पर कि वहां समाज में विकलांग लोगों के प्रति नज़रिया क्या है। भारत इसके लिए एक अच्छा उदाहरण है। पिछले दो दशकों में पैरा-स्पोर्ट्स को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इसलिए केंद्र और राज्य स्तर पर खिलाड़ियों के फंड में भी इज़ाफ़ा हुआ है।

2010 में देश में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ था, उसके बाद से खेल मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाले नियमित और पैरा-एथलीट खिलाड़ियों को दिए जाने वाले नक़द पुरस्कार की क़ीमत को बराबर कर दिया। इस मामले में हरियाणा काफ़ी आगे है। हरियाणा सरकार ने पैरा-स्पोर्ट्स के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। हरियाणा ने पैरा-एथलीटों को भारी पुरस्कार, सरकारी नौकरियां और सम्मान देकर इन खेलों को बढ़ावा दिया है और इससे आम लोगों के बीच पैरा-स्पोर्ट्स को प्रतिष्ठा मिली है। जैसे-जैसे देश में पैरा-स्पोर्ट्स की जागरूकता बढ़ रही है, ज़्यादा से ज़्यादा खिलाड़ी भी बढ़ रहे हैं।

व्हीलचेयर-क्रिकेटर राहुल रामगुड़े कहते हैं कि खिलाड़ियों की इसमें अहम भूमिका रही है। 'शारीरिक अक्षमताओं का सामना करने वाला शख्स इससे बाहर आकर अपनी आज़ाद पहचान बनाने का इच्छुक होता है। वो कुछ करना चाहता है। अगर उन्हें खेलने का मौका दिया जाए तो वो अपना सब कुछ देने को तैयार होते हैं। अब तो कई पैरा-एथलीट खुद दूसरों की मदद और मार्गदर्शन के लिए आगे आ रहे हैं।'

पहचान का भी मुद्दा भी अहम है। दरअसल, पैरालंपिक के खिलाड़ी,ओलंपिक के खिलाड़ियों की तुलना में कम सुर्खियों में रहते हैं। इसका मतलब ये है कि उनके ऊपर अपेक्षाओं का दबाव कम होता है। लेकिन पैरा-खिलाड़ियों में ज़िंदगी में कुछ अलग करने और मेडल जीतने की भूख़ ज़्यादा होती है, जो उन्हें प्रेरित करती रहती है।

हालांकि, देश में पैरा-स्पोर्ट्स को लेकर नज़रिया बदला है लेकिन अब भी बहुत कुछ करना बाकी है, सब कुछ इतना आसान नहीं है और खिलाड़ियों को कई दिक़्क़तों का सामना करना पड़ता है। राइफ़ल शूटर अवनि लेखरा ने टोक्यो और पेरिस दोनों पैरालंपिक इवेंट में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। लेकिन जिस रेंज में वो अभ्यास किया करती थीं, वहां लंबे समय तक व्हीलचेयर के लिए कोई रैंप या रास्ता ही नहीं था। बाद में अवनि की कोशिशों के बाद यहां रैंप बनाया गया।

पैरालंपिक में भारत की सफलता से ये सबसे अहम सीख है। अगर देश को सफलता को बरकरार रखना है तो इस दिशा में लगातार काम करना होगा और खेलों तक पहुंच को अधिक सुलभ बनाना होगा।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बुंदेलखण्ड, पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेगा

विकास का कारवां अब बुंदेलखण्ड और मध्यप्रदेश से होकर गुजरेगा: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुंदेलखण्ड, पंजाब और हरियाणा को विकास में पीछे छोड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पराक्रम और शौर्य की धरती बुदेलखंड के लिए विकास का बहुत बड़ा निर्णय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड में भी आईटी पार्क बनाया जाएगा जहां युवाओं को काम भी मिलेगा और सीखने का मौका भी मिलेगा।

गया। आमजन की सुविधा के लिए बीना सहित अन्य नए जिले और संभाग बनाने की दिशा में कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐरण उत्सव शुरू करने की भी घोषणा की। उन्होंने इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर भेजने के लिए कहा जिसके आधार पर जल्द ही यहां उत्सव शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीना नदी परियोजना के अंतर्गत शेष बचे 129 गांवों को भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने बीना में आईटीआई खोलने,

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की बौद्धिक संपदा और क्षमता का उपयोग मध्य प्रदेश में ही हो इसके लिए लगातार नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के संबंध में कार्य किया जा रहा है। प्रदेश को फ्यूचर रेडी स्टेट के रूप में विकसित किया जा रहा है। आगामी 27 सितंबर को सागर में आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्रियल कांक्लेव के बारे में बताते हुए कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। कॉन्क्लेव में देश-विदेश के उद्योगपति शामिल होंगे और बेहतर रोजगार के अवसरों साथ-साथ क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी सहयोगी बनेंगे।

विकास का कारवां अब बुंदेलखण्ड और मध्यप्रदेश की धरती से होकर गुजरेगा। मध्यप्रदेश में नए जिलों और संभागों के गठन के लिए प्रशासनिक पुर्नगठन आयोग सुझाव प्राप्त कर प्रतिवेदन देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 22 हजार से अधिक थानों की सीमा बदलने का कार्य किया

बीना अस्पताल को 30 करोड़ रूपए की मदद से 100 बिस्तर अस्पताल बनाने, खिमलासा को तहसील बनाने, ग्राम पंचायत मंडी बामोरा को नगर परिषद बनाने, नगर विकास के लिए नगर पालिका को 5 करोड़ रुपए की सहायता देने, बीना में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सोमवार को सागर जिले के बीना में लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत सितंबर माह की मासिक आर्थिक सहायता राशि एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत पैंशन राशि का अंतरण के कार्यक्रम में शामिल हुए। महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूरे प्रदेश की 1 करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनों को सितंबर माह की किस्त के रूप में 1574 करोड़ रुपए का हस्तांतरण किया जिसमें सागर जिले की 4 लाख 29 हजार 34 लाड़ली बहिनों के खाते में राशि पहुंची।

कोलकाता रेप-मर्डर केस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

ड्यूटी पर तुरंत लौटें डॉक्टर, आज शाम 5 बजे तक जॉइन नहीं किया तो राज्य सरकार कार्रवाई करे

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर केस में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने तीन मुद्दों - सीबीआई जांच रिपोर्ट, डॉक्टरों की हड़ताल और सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर सुनवाई की।

सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट में कई बातें सामने आईं। कोर्ट ने कहा कि, एफआईआर में 14 घंटे की देरी हुई है। वहीं कुछ जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं। ऐसे में मामला गड़बड़ लगता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को मिसिंग डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया।

वहीं हड़ताल को लेकर कोर्ट ने डॉक्टरों से तुरंत काम पर लौटने को कहा है। सीजेआई ने कहा, अगर मंगलवार शाम 5 बजे तक डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ राज्य सरकार को कार्रवाई करने से नहीं रोका जा सकता। डॉक्टरों का पेशा ही मरीजों की सेवा करना है।

उधर सीआरपीएफ जवानों की सुविधाओं पर कोर्ट ने राज्य के गृह सचिव को आदेश दिया कि सभी जवानों को रहने के लिए घर मुहैया कराया जाए। ये जवान अस्पताल की सुरक्षा के लिए आए हैं। उनको अतिरिक्त सुरक्षा उपकरण भी दिए जाएं। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

विक्टिम के पेरेंट्स को पैसे ऑफर नहीं किए: ममता

कहा था- बेटी की याद में अगर कुछ करना हो तो सरकार आपके साथ है

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि हमने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता को कभी पैसा ऑफर नहीं किया। हमने सिर्फ उन्हें ये कहा था कि अगर वे अपनी बेटी की याद में कुछ करवाना चाहते हैं, तो हमारी सरकार उनके साथ है।

स्टेट सेक्रेट्रिएट नबन्ना में रिव्यू मीटिंग के दौरान ममता ने यह भी कहा कि विरोध प्रदर्शनों के चलते कोलकाता के कमिश्नर विनीत गोयल ने इस्तीफा देने की पेशकश की थी, लेकिन हमें कोई चाहिए जो दुर्गा पूजा को लेकर कानून-व्यवस्था संभालना जानता हो।

दरअसल, रेप विक्टिम ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता ने कोलकाता पुलिस पर आरोप लगाया था कि उन्होंने बेटी का शव सौंपते वक्त उन्हें पैसा ऑफर किया था और कहा था कि हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है। वहीं, प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने पुलिस पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर के इस्तीफे की मांग की थी।

दुनिया की दो टॉप जासूसी एजेंसियों की चेतावनी

संकट में वर्ल्ड ऑर्डर, कोल्ड वार के बाद सबसे ज्यादा खतरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया की दो टॉप इंटेलिजेंस एजेंसियों के चीफ ने चेतावनी दी है कि वर्ल्ड ऑर्डर खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि हमने वर्ल्ड ऑर्डर को ऐसा खतरा शीत युद्ध के बाद से नहीं देखा है। सीआईए डायरेक्टर बिल बर्न्स और यूके की इंटेलिजेंस एजेंसी एमआई 6 से चीफ रिचर्ड मूर ने फाइनेंशियल टाइम्स के एक लेख में लिखते हुए कहा कि हमारे पास एक-दूसरे से अधिक भरोसेमंद या सम्मानित सहयोगी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारी साझेदारी और ज्यादा मजबूत होगी, क्योंकि हम अनापेक्षित खतरों का सामना कर रहे हैं। जिसमें मुख्य रूप से रूस, चीन और मध्य पूर्व के देश शामिल हैं।

गाजा युद्ध पर क्या बोले दोनों स्पाई चीफ

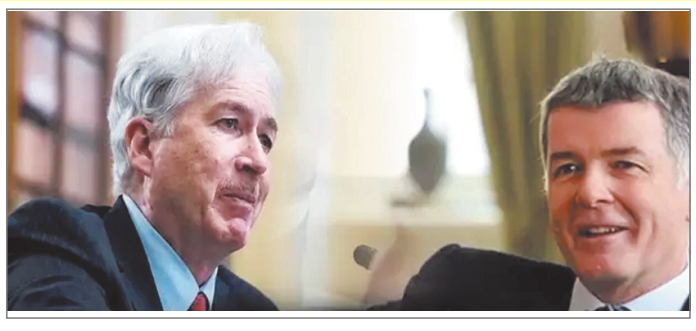

दोनों देशों के खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों ने कहा कि गाजा में जारी संघर्ष हमारे लिए विशेष चिंता का विषय है। इसके बाद लंदन में एक सम्मेलन में सीआईए चीफ विलियम बर्न्स ने कहा कि वह युद्धविराम की रुपरेखा को तैयार करने के लिए मिस्र और कतर के मध्यस्थों के साथ कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम अगले कुछ दिनों में इस पर अधिक विस्तृत प्रस्ताव देंगे।

यूक्रेन को सैन्य समर्थन जारी रहने का किया ऐलान

फरवरी 2022 में शुरू किए गए रूसी आक्रमण के प्रतिरोध में यूक्रेन के प्रमुख वित्तीय और सैन्य समर्थकों में संयुक्त राज्य अमेरिका और यूके शामिल हैं। उन्होंने लेख में लिखा, अपने रास्ते पर बने रहना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हम रूसी खुफिया एजेंसियों द्वारा यूरोप भर में चलाए जा रहे हिंसा के बेतहाशा अभियान को विफल करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

साथ मिलकर काम करने की जताई इच्छा

दोनों ने यह भी बताया कि वे अब अपने द्वारा एकत्र किए गए विशाल डेटा का उपयोग करने के लिए उन्नत एआई और क्लाउड तकनीकों का उपयोग कैसे कर रहे हैं। यह संयुक्त लेख ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की 13 सितंबर को वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले आया है, जहां उनका स्वागत अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों नेता यूक्रेन को निरंतर मजबूत समर्थन और गाजा में युद्धविराम हासिल करने की इच्छा पर चर्चा करेंगे।

हरियाणा में आप-कांग्रेस का गठबंधन नहीं हुआ

- सीट शेयरिंग पर सहमति न होने से बातचीत टूटी; आप ने 20 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा में आम आदमी पार्टी (आप) अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने सोमवार को दोपहर बाद 20 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। आप की इस लिस्ट से साफ है कि अब वह इस चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी। इससे पहले आप के हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने भी कहा था कि अगर आज बात सिरे न चढ़ी तो पार्टी सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतार देगी।

रणबीर गुलिया, बादली   नरेंद्र शर्मा, पुंडरी

कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन न होने की बड़ी वजह सीट शेयरिंग है। आप कांग्रेस से 10 सीटें मांग रही थी। यह सीटें पंजाब और दिल्ली के बॉर्डर से सटे जिलों में थी। आप का तर्क था कि दोनों जगह उनकी सरकार है, इसलिए उन्हें फायदा होगा। इसके उलट कांग्रेस सिर्फ 5 सीट देने पर अड़ी रही। कांग्रेस ने आप की दिल्ली-पंजाब बार्डर इलाकों की सीटों की मांग भी ठुकरा दी और शहरी क्षेत्रों में लड़ने के लिए कहा। राज्य में 90 विधानसभा सीटों पर सिंगल फेज में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित होंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 10 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

69000 शिक्षक भर्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

- लखनऊ डबल बेंच ने दिया था नई सूची जारी करने का आदेश, नौकरी कर रहे शिक्षकों को राहत

लखनऊ (एजेंसी)। 69000 शिक्षक भर्ती विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ हाईकोर्ट के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट का वो फैसला लागू नहीं होगा जिसमें हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 69000 शिक्षक भर्ती में बनाई गई मेरिट लिस्ट को रद्द कर 3 महीने में नई मेरिट लिस्ट बनाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट किया है की शिक्षकों की नौकरी नहीं जाएगी।

सीजेआई ने कहा- हम सभी की दलीलें सुनेंगे- मामले में 23 सितंबर को कोर्ट में अगली सुनवाई होगी। सामान्य वर्ग के चयनित अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई ने कहा कि हमने हाईकोर्ट का फैसला देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में लिखित दलीलें मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने पक्षकारों से दलीलें दाखिल करने को कहा। सहायक अध्यापकों की नियुक्ति पांच साल पहले हुई थी। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को हाईकोर्ट द्वारा स्वीकृत आरक्षण नीति के आधार पर नई मेरिट सूची तैयार करने का निर्देश दिया है।

अयोध्या की तरह मथुरा-काशी में भव्य मंदिर कब?

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव बोले- पिछला पैर तभी उठाएं, जब अगला जम जाए; वरना फिसलने का डर

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर आए श्रीराम मंदिर जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (अयोध्या) के महासचिव चंपत राय ने सोमवार को अयोध्या राम मंदिर की तरह मथुरा-काशी में मंदिर निर्माण और दर्शन के सवाल पर बयान दिया है। उन्होंने अयोध्या के लिए एक हजार साल चले संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा- 'हमको उतना ही खाना चाहिए, जितना पच जाए। तभी खाना चाहिए, जब पहला पच जाए। वर्ना डाइजेशन की समस्या हो जाएगी।

चंपत राय विश्वम संस्था द्वारा आयोजित श्रीराम जन्मभूमि गौरव यात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनसे पूछा गया- 'जब आपकी उम्र 39 साल थी, तब से अब जाकर राम मंदिर दर्शन हो पाए हैं। जब सरकार हमारी है तो क्या फिर भी मथुरा-काशी के दर्शन तीसरी पीढ़ी में हो पाएंगे, क्या इतना विलंब लगना चाहिए?'

वे जवाब में आगे बोले- 'चलते समय पिछला पैर तब उठाना चाहिए जब अगला जम जाए। यदि अगला पैर जमे नहीं, पिछला उठा देंगे तो फिसलने का डर रहता है। एक काम संपन्न हो जाने दो, उसकी समाज में पूरी स्वीकार्यता हो जाने दो, फिर आगे भी हो जाएगा।

यह मामला हिंदुस्तान की एक हजार साल गंभीर बीमारी का है। क्या पांच-सात साल में ही इसे हल करना चाहते हो। काम ऐसा करना चाहिए ताकि समाज का प्रत्येक वर्ग स्वीकार करे कि जो हो रहा है, वो सही हो रहा है। वर्ना दुर्घटना हो सकती है।'

दरअसल, राय ने खुद के राम मंदिर आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि जब आंदोलन से जुड़ा तब मेरी उम्र 39 साल थी। अब मथुरा-काशी के लिए आज जो लोग 39 साल के हैं, वे आगे आएं।

चंपत राय ने कहा कि 1986 में जो पीढ़ी काम कर रही थी, उसमें अशोक सिंघल, मोरपंख पिंगले, देवकी नंदन अग्रवाल, परमहंस रामचंद्र दास समेत कई लोग थे। उस समय यह बात आई कि ऐसा मंदिर बनाओ कि कोई तोड़ न सके। बात पत्थरों पर आकर रुकी। उस समय आर्किटेक्ट कौन हो इस पर चर्चा हुई तो गंगा प्रसाद बिरला ने चंद्रकांत भाई सोमपुरा का परिचय अशोक सिंघल करवाया था।

गंगा प्रसाद बिरला ने कभी जन जागरण देख अशोक जी को बुलाया था। तब बिरला जी ने उनसे कहा था कि तुम लोग क्या कहते हो कि मंदिर वहीं बनाएंगे। कभी ऐसा हुआ है कि लोगों ने जिसे मस्जिद कह दिया हो उसे तोड़ा गया हो। तब अशोक से ने बेबाकी से कहा था कि बाबूजी आप हमें तोड़ने के लिए उकसा रहे हैं क्या? इसी दौरान चंद्रकांत भाई सोमपुरा का परिचय कराया गया, तब उन्होंने मंदिर निर्माण के लिए पत्थरों की बात कही।

यह बात आई कि पत्थर कहां से लाया जाए। राजस्थान से विशेष किस्म का पत्थर लाने का तय किया गया। उन्होंने बताया कि यह पत्थर एक हजार साल तक धूप पानी को आसानी से सह सकेंगे। उसके बाद वैज्ञानिकों की बात भी माननी पड़ी।

पहाड़ों में गुस्से में क्यों है लोग

● 2000 में एक नए राज्य के रूप में बना था उत्तराखंड ● आरएसएस ने भी किया था दावा, बॉर्डर इलाकों में बढ़े मुस्लिम

क्या घुसपैठ बन रहा है बड़ी वजह, यूपी-असम में यही हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैर हिंदुओं, रोहिंग्या मुसलमानों और फेरी वालों का गांव में व्यापार करना, घूमना वर्जित है। अगर गांव में ऐसा कोई भी कहीं मिलता है तो दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह बात उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के कई गांवों के बाहर एक बैनर के रूप में लिखकर टांगी गई हैं। सोशल मीडिया पर भी ये तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसके बाद ऐसे आदेश को लेकर विवाद बढ़ गया है। हालांकि, उत्तराखंड प्रशासन ने कई गांवों से ऐसे बोर्ड हटवा दिए हैं, मगर यह मामला गरमा गया है। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में रुद्रप्रयाग के पड़ोसी जिले चमोली में नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में सांप्रदायिक तनाव फैल गया था। राष्ट्रीय संघ सेवक ने भी बीते जुलाई में ही यह दावा किया था कि देश के सीमावर्ती राज्यों में मुस्लिमों की आबादी बढ़ रही है। आइए-जानते हैं उत्तराखंड की आबादी की हकीकत।

उत्तराखंड की जनसंख्या की वृद्धि दर भी देश के मुताबिक ही गिरी

उत्तराखंड की 2011 की जनगणना के अनुसार, कुल आबादी 10,116,752 है। वहीं, इस दौरान भारत की आबादी की वृद्धि दर में 3.84 फीसदी की गिरावट आई है। भारत की आबादी की 2001 के 21.54 फीसदी के मुकाबले 2011 में 17.70 फीसदी रह गई। वहीं, उत्तराखंड में जनसंख्या वृद्धि दर 2001 के 20.41 फीसदी के मुकाबले अब 18.81 फीसदी रह गई है। उत्तराखंड में क्या बदल रही है डेमोग्राफी? धामी सरकार ने शुरू किया वेरिफिकेशन।

उत्तराखंड में 10 साल में इतनी बढ़ गई मुस्लिम आबादी?

- **2001 में 1 लाख थे मुस्लिम, अब 14 लाख से ज्यादा-** उत्तराखंड का गठन साल 2000 में हुआ था। उस वक्त नए बने राज्य में 2001 की जनगणना के मुताबिक करीब 1 लाख आबादी ही मुस्लिमों की थी, जो 2011 में बढ़कर 14 लाख से ज्यादा हो चुकी है। इस दौरान हिंदुओं की आबादी की वृद्धि दर 16 फीसदी थी तो पूरे दशक के दौरान मुस्लिम जनसंख्या की वृद्धिदर 39 फीसदी हो चुकी है। ये आंकड़े तब के हैं, जब बीते एक दशक से भारत की जनगणना के आंकड़े जारी नहीं हुए हैं।
- **10 साल में ऐसे घट गए हिंदू और बढ़ गए मुस्लिम-** 2001 की जनगणना के अनुसार, उत्तराखंड की आबादी में हिंदू 84.95 प्रतिशत थे, जबकि मुस्लिम 11.92प्रतिशत थे। 2011 की जनगणना तक हिंदू आबादी घटकर 82.97 प्रतिशत रह गई थी और मुस्लिम आबादी बढ़कर 13.95 प्रतिशत हो गई थी। जो दस वर्षों में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।
- **हरिद्वार में हिंदुओं के बाद मुस्लिम आबादी ज्यादा-** आश्चर्यजनक रूप से हरिद्वार में मुस्लिमों की आबादी भी काफी ज्यादा है।

अमेरिका में राहुल गांधी बोले-

सब कुछ मेड इन चाइना, इसलिए भारत में रोजगार की दिक्कत

पित्रोदा ने कहा- राहुल के पास विजन, वो पप्पू नहीं

टेक्सास (एजेंसी)। राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार विदेश दौरे पर हैं। वे रविवार को अमेरिका के टेक्सास राज्य पहुंचे थे। यहां उन्होंने 2 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने डलास में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की।

इसके बाद राहुल गांधी ने सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के छात्रों से भारतीय राजनीति, इकोनॉमी और भारत जोड़ो यात्रा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। राहुल ने कहा, 'भारत में सब मेड इन चाइना है। चीन ने प्रोडक्शन पर ध्यान दिया है इसलिए चीन में रोजगार की दिक्कतें नहीं हैं।' कार्यक्रम में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, राहुल गांधी पप्पू नहीं है, वे पढ़े-लिखे हैं और किसी भी मुद्दे पर गहरी सोच रखने वाले स्ट्रैटजिस्ट हैं। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के तौर पर जिम्मेदारी, भारत के आर्थिक हालात, रोजगार समेत 6 मुद्दों पर अपनी राय रखी।

विपक्ष में अपने रोल पर... मेरा काम राजनीति में प्रेम लाना

मेरा रोल संसद में सरकार के खिलाफ बोलना और उन्हें तानाशाह बनने से रोकने तक सीमित नहीं है। मुझे लगता है कि मेरा रोल भारत की राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता लाना है। प्यार और सम्मान सिर्फ ताकतवर लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन सबके लिए जो देश को बनाने में जुटे हैं। अमेरिका की तरह भारत में भी कोई राज्य दूसरे से सुपीरियर (ताकतवर) नहीं है। कोई धर्म, भाषा किसी दूसरी भाषा से सुपीरियर नहीं है। लोगों के विचारों को उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या फिर इतिहास की परवाह किए बिना जगह दी जानी चाहिए।

- **भारत की राजनीति पर...बोलने से ज्यादा जरूरी सुनना-** भारतीय राजनीति में सुनना, बोलने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। सुनने का मतलब है खुद को दूसरे की जगह पर रखना। अगर कोई किसान मुझसे बात करता है तो मैं खुद को उनके रोजमर्रा के जीवन में शामिल करने की कोशिश करूंगा और समझूंगा कि वे क्या कहना चाह रहे हैं। सुनना बुनियादी बात होती है। इसके बाद किसी मुद्दे को गहराई से समझना होता है। हर एक मुद्दे को नहीं उठाना चाहिए। जिस मुद्दे को हम नहीं उठाना चाहते हैं, उसे भी अच्छी तरह से समझना चाहिए। राहुल गांधी ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में कहा कि खुद के आइडिया को खत्म कर लोगों के बारे में सोचना ही देवता होना होता है।

मणिपुर राजभवन पर पथराव, 20 घायल

- सुरक्षाकर्मी जान बचाकर भागे; ड्रोन हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स ने राजभवन पर पत्थरबाजी की। इस दौरान सुरक्षाकर्मी भागते दिखे। पुलिस और सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट दागे। इसमें 20 स्टूडेंट्स घायल हो गए। मैतेई समुदाय के ये छात्र मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं को लेकर 8 सितंबर से प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें स्थानीय लोग भी शामिल हैं। रविवार को किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए। ये गवर्नर और सीएम को ज्ञापन सौंपना चाहते थे। सोमवार को सुरक्षाबलों ने ज्ञापन सौंपने की मांग पूरी कर दी, इसके बाद भी स्टूडेंट्स सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। स्टूडेंट्स का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक वे यहां डटे रहेंगे। इस दौरान उनकी सुरक्षाबलों के साथ झड़प भी हुई।

सूरत में गणेश पंडाल पर पथराव, जमकर हुई हिंसा

सुबह आरोपियों के अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, अब तक 33 गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। गुजरात में सूरत के सैयदपुरा मोहल्ले में रविवार रात गणेश पंडाल पर पथराव करने वाले आरोपियों के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे इलाके में कई आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलवा दिया गया।

बता दें, रविवार देर रात 6 युवकों ने पंडाल पर पथराव किया था। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद आरोपियों के घरवाले सैकड़ों लोगों के साथ प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया। इलाके में देर रात तक जमकर हिंसा हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। इस मामले में 28 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोमवार सुबह से स्थिति नियंत्रण में है।

कालिंदी एक्सप्रेस पलटाने की साजिश

ट्रैक पर सिलेंडर से टकराई ट्रेन, पेट्रोल-बारूद मिला

6 संदिग्ध हिरासत में, जमातियों की जांच

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में एक बार फिर ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई। अनवर-कासगंज रूट पर रविवार देर शाम यह घटना हुई। कालिंदी एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे सिलेंडर से टकरा गई। सिलेंडर फटा नहीं और ट्रेन से टकराकर ट्रैक के किनारे गिर गया।

कालिंदी एक्सप्रेस के लोको पायलट ने तुरंत सीनियर अफसर को सूचना दी। घटना के बाद आरपीएफ,जीआरपी और रेलवे के सीनियर अफसरों ने जांच की। सोमवार सुबह आईबी, एसटीएफ, एटीएस और एनएआई ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

ट्रैक से सिलेंडर के अलावा, बोतल में पेट्रोल, माचिस, एक मिठाई का डिब्बा और झोला मिला है। झोले में बारूद जैसा पदार्थ पाया गया। आरपीएफ ने कहा कि आतंकी साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता।

बीजेपी ऑफिस में बम धमाके की थी साजिश, बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट में एनआईए की चार्जशीट में बड़ा खुलासा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के रमेश्वरम कैफे में हुए बम धमाके के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। एनआईए की जांच में पता चला कि आरोपियों को बेंगलुरु में हिंसा की अलग-अलग घटना को अंजाम देने के लिए क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पैसे मिले थे। चार्जशीट में कहा गया है कि आरोपियों ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन बेंगलुरु में कर्नाटक बीजेपी कार्यालय में बम ब्लास्ट का प्लान बनाया था। हालांकि वह सफल नहीं हो पाया। इसके बाद दो प्रमुख आरोपियों ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट की योजना बनाई थी। ये धमाका इसी साल मार्च में हुआ था। एनआईए ने अपनी जांच में पाया है कि ये धमाका आईएसआईएस से जुड़े आतंकियों ने किया था। आरोपियों ने बिटकॉइन के जरिए फंडिंग भी हासिल की थी।

बिहार में राजनीतिक हलचल

जेडीयू-भाजपा नेताओं की मुलाकात ने बढ़ाई सियासी गर्मी, क्या जल्द ही होगा मंत्रिमंडल विस्तार?

पटना (एजेंसी)। बिहार में इन दिनों लगातार राजनीतिक समीकरण साधे जा रहे हैं। एक तरफ जहां आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोकामा के लोकसभा सांसद ललन सिंह के साथ जाकर पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह से मुलाकात की। वही आज बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा से बंद कमरे में करीब आधे घंटे मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद दोनों के चेहरे खिले हुए नजर आए। जिससे इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों के बीच जो आपसी सहमति बनी है, वो अपने अंजाम तक पहुंचाने के करीब है।

मंत्रिमंडल का विस्तार कभी भी- इधर, राजनीतिक सर गर्मी के बीच दिलीप जायसवाल ने दो बड़े बयान भी दिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। दोनों ही पार्टी के बीच सहमति बन चुकी है।

म.प्र.में अगले साल से शुरू हो जाएंगे 3 मेडिकल कॉलेज, तीन में बढ़ेंगी एमबीबीएस की 50-50 सीटें

भोपाल (नप्र)। इसी वर्ष से सिवनी, मंदसौर और नीमच में प्रारंभ हुए मेडिकल कॉलेजों में सीटें

- **सिंगरौली, श्योपुर, बुधनी कॉलेज अगले सत्र से होंगे शुरू**
- **काउंसलिंग और मान्यता में लगभग एक माह का समय**

बढ़ाने के लिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने इन कॉलेजों में फैकल्टी की संख्या मापदंड के अनुसार बढ़ाई है। कुछ विषय में कमियां रह गई हैं, जिन्हें पूरा करने के वादे के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को शपथ पत्र दिया जाएगा। इसके बाद इन कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटें 50-50 की जगह 100-100 की जा सकेंगी।

बता दें कि संसाधन कम होने से नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने 50-50 सीटों पर ही प्रवेश की ही अनुमति दी थी। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने एनएमसी में अपील की थी। एनएमसी ने सीटें बढ़ाने से इन्कार किया तो दूसरी अपील केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में की गई है। एमबीबीएस में प्रवेश के लिए काउंसलिंग चल रही है।

एक माह का समय

इस सत्र की मान्यता के लिए अभी लगभग एक माह का समय है। इन तीन कॉलेजों के अतिरिक्त अगले सत्र (2025-26) से सिंगरौली, श्योपुर और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का विधानसभा क्षेत्र रहे बुधनी स्थित मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश प्रारंभ करने की भी तैयारी है। इनमें सिंगरौली और श्योपुर के लिए भी नान क्लीनिकल विषयों में भर्ती शुरू हो गई है।

फैकल्टी की कमी पूरी

संचालक चिकित्सा शिक्षा डा. एके श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष शुरू हुए तीनों कॉलेजों में फैकल्टी की कमी लगभग पूरी हो गई है। कुछ पदों पर भर्ती प्रक्रिया अभी चल रही है, जिनमें नियुक्ति होनी है। बाकी संसाधन तो 150 सीटों के हिसाब से उपलब्ध हैं यानी फैकल्टी की कमी पूरी हो गई तो अगले वर्ष 150-150 सीटों की मान्यता मिलने की पूरी उम्मीद है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस बैण्ड दल को एक लाख 70 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद वर्ष 2024-25 की राशि से चंदेरी जिला अशोकनगर में श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव के अवसर पर 2री बटालियन ग्वालियर के पुलिस बैण्ड दल द्वारा राष्ट्रीयता एवं सांस्कृतिक भावना के अंतर्गत वाद्ययंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति दिए जाने पर पुलिस बैण्ड के 17 अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रति व्यक्ति 10 हजार रुपए कुल एक लाख 70 हजार रुपए राशि की व्यक्तिगत आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा बैण्ड दल को स्वीकृत राशि का भुगतान /समायोजन कलेक्टर जिला भोपाल के माध्यम से किया जाएगा।

किसानों के पंजीयन में समस्याओं के समाधान के लिए गठित होंगी समिति

किसानों को पंजीयन में नहीं हो कोई परेशानी : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जित करने के लिए किसानों को पंजीयन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर त्वरित समाधान किया जायेगा। इसके लिए विभिन्न स्तर पर समितियों का गठन किया जा रहा है। किसानों का पंजीयन 19 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक होगा। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि पंजीयन में किसानों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर जिला सूचना अधिकारी एनआईसी के नेतृत्व में टीम गठित की जायेगी। एक समिति राज्य स्तर पर भी गठित होगी। राज्य एवं जिला स्तर पर कंट्रोल रूम भी बनाये जायेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसानों के पंजीयन में आने वाली किसी भी समस्या का समाधान समय-सीमा में किया जाये।

भोपाल के गांवों में 17 सितंबर को 'डीप क्लीन ड्राइव'

सीईओ बोले-सड़कों की बजाय गौशालाओं में रखें पशु; सफाई अभियान चलाएं

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गांवों में 17 सितंबर को 'डीप क्लीन ड्राइव' अभियान चलेगा। इस दौरान गांवों में विशेष सफाई की जाएगी। इसे लेकर सोमवार को जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह ने मीटिंग की। उन्होंने कहा कि सड़कों की बजाय पशुओं को गौशालाओं में रखें। वहीं, गांवों में विशेष सफाई अभियान भी चलाएं। बता दें कि 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' की 10वीं वर्षगांठ के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विशेष सफाई की

जाएगी। जिपं सीईओ सिंह ने इसे लेकर ही सोमवार को जनपद सीईओ, सहायक यंत्री, उपयंत्री, एडीईओ/पीसीओ, ब्लॉक समन्वयक, पंचायत सचिव व रोजगार सहायकों की बैठक ली। जिसमें अभियान के अंतर्गत निर्धारित मापदंड के अनुसार कार्रवाई करने को कहा।

गांवों में शिविर भी लगेंगे

अभियान अंतर्गत 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' की थीम पर स्वच्छता ही सेवा आयोजन चलाया जाना है। अभियान के प्रचार-प्रसार एवं सीटीयू का चयन के साथ सफाई कर ट्रांसफार्मिंग व सफाई मित्रों के लिए सुरक्षा शिविर भी लगेंगे। जिनमें प्रदेश और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ सफाई मित्रों को दिलाया जाएगा। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के मौके पर 'डीप क्लीन ड्राइव' चलेगा।

इन बिंदुओं पर भी हुई चर्चा

- गांवों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जाए।
- प्रत्येक पंचायत पर कम से कम 1 एवं अधिकतम 3 सीटीयू का चयन किया जाए।
- आवारा पशुओं का विचरण सड़कों पर न हो। उन्हें निर्धारित गौशालाओं में रखा जाए।
- आवंटित आवास के लक्ष्य को शीघ्र सत्यापित कर आगामी कार्रवाई हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के उज्जैन स्थित निवास पहुंचे मंत्रीगण, कथावाचक प्रदीप मिश्र, जन-प्रतिनिधि, समाज सेवी और नागरिक ने जताया शोक

- **स्व. पूनमचंद यादव के चित्र पर अर्पित की पुष्पांजलि**
- **मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट कर व्यक्त की शोक संवेदनाएं**

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उज्जैन स्थित निवास पर शनिवार को कथावाचक श्री प्रदीप मिश्र, जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी शैलेषानंद गिरि जी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पिता स्व. पूनमचंद यादव के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और मुख्यमंत्री से भेंटकर शोक संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निवास पर तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार तथा उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, श्रीमती रीति पाठक, पूर्व मंत्री श्री गोपाल भार्गव सहित बड़ी संख्या में जन-प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने पहुँचकर शोक संवेदना प्रकट की।

डॉक्टर ने साथियों के साथ फावड़े-डंडे से पीटा

भोपाल में एक परिवार पर किया जानलेवा हमला, महिला चीखती रहीं, वे पीटते रहे

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में एक डॉक्टर ने अपने भाई और स्टाफ के साथ मिलकर एक परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने मामूली विवाद में युवक को फावड़े से पीटा। बीच-बचाव करने पहुंची युवक की सास, पत्नी और भाई से भी मारपीट की। महिला चीखती रही और हमलावर उन्हें पीटते रहे।

घटना शाहजहांनाबाद थाने के पास वाली गली में 3 सितंबर की है। सोमवार को पीड़ित परिवार ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग को लेकर लिखित शिकायत की। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

अस्पताल के छज्जे को लेकर विवाद

सैयद उमर अली (35) कोयले वाली गली शाहजहांनाबाद में रहते हैं और प्राइवेट जॉब करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके मकान के पड़ोस में गुडविल अस्पताल है। जिसमें निर्माण कार्य चल रहा है। इस अस्पताल का छज्जा अवैध रूप से बाहर निकाला जा रहा है। इससे उनका मकान छिप रहा था, जिसका विरोध करने पर अस्पताल के डॉ. अकरम खान ने अभद्रता की, और मारपीट शुरू कर दी। मैं किसी तरह बचकर घर के बाहर तक पहुंचा, तब आरोपी पीछा करते हुए वहां भी आ गए, और पीटना शुरू कर दिया।

बचाव करने आई वृद्ध सास को भी पीटा

आरोपियों के हमले को देख वृद्ध सास रेशमा, पत्नी रूही और भाई आया। तब अकरम, उसके भाई आफाक, साबिर और अस्पताल के स्टाफ के दो अन्य लोगों ने फावड़े और डंडे से हमला कर दिया। इस हमले में घायल सास रेशमा के सिर में सात टांके आए हैं। भाई के सिर की हड्डी फ्रैक्चर हो गई। पत्नी को भी चोटें आई है। मैं भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

अधमरा कर फरार हो गए आरोपी

वीडियो में साफ दिख रहा है कि डॉक्टर और उसके साथी फावड़े और डंडों से सिर में वार कर रहे हैं। हमले में घायल उमर के भाई देर तक सड़क पर पड़े रहे। उमर भी सिर में फावड़ा लगने के बाद बेहोश हो गए थे। आरोपियों के भागने के बाद स्थानीय रहवासियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया था।

पुलिस ने कहा-केस दर्ज, कर रहे जांच

मामले में थाना प्रभारी यूपीएस चौहान ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पूर्व में भी विवाद होते रहे हैं। 3 सितंबर को हुई घटना के बाद मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है।

आकाश विजयवर्गीय बरी, इंदौर बल्ला कांड में कोर्ट ने सुनाया फैसला

इंदौर (नप्र)। मध्य प्रदेश के इंदौर में भाजपा के पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय के खिलाफ लगभग 5 वर्ष पहले एमजी रोड पुलिस थाने में दर्ज मामले में विशेष न्यायालय ने सोमवार को फैसला सुना दिया है। इसमें आकाश सहित 10 लोगों को बरी कर दिया गया है। विजयवर्गीय की ओर से सीनियर एडवोकेट अविनाश सिरपुरकर ने इसकी पुष्टि की है। यह प्रकरण प्रदेशभर में बल्लाकांड के नाम से जाना जाता है। आकाश विजयवर्गीय पर आरोप है कि गंजी कंपाउंड क्षेत्र में जर्जर मकान को जमींदोज करने की कार्रवाई के दौरान

उन्होंने नगर निगम के एक अधिकारी पर बल्ला चला दिया था।

रिपोर्ट लिखवाने वाले निगम अधिकारी ही बयान से पलटे- प्रकरण की सुनवाई विशेष न्यायाधीश देवकुमार के समक्ष चल रही थी। सुनवाई के दौरान हुए बयान में विजयवर्गीय के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाने वाले निगम अधिकारी बयान से पलट गए थे। कहा था कि उन्होंने विजयवर्गीय को बल्ला चलाते हुए नहीं देखा, बल्कि उनके हाथ में बल्ला देखकर उनके खिलाफ रिपोर्ट लिखवा दी थी। कोर्ट ने प्रकरण में सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसले के लिए नौ सितंबर की तारीख तय की थी।

वंदे भारत के खाने में कीड़ा मिलने का मामला

आवेदक खटखटाएंगे उपभोक्ता आयोग का दरवाजा

कैटरिंग चार्जेज रिफंड नहीं करने को लेकर हैं नाराज

भोपाल (नप्र)। रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस के खाने में कीड़ा निकलने के मामले में कई शिकायतों के बाद अब आवेदक यात्री कंज्यूमर फोरम जाने की तैयारी कर रहे हैं। यात्री अभय सेंगर का कहना है कि कई बार वह आईआरसीटीसी को इस संबंध में मेल कर चुके हैं। मगर आईआरसीटीसी की तरफ से किसी भी प्रकार का कोई जवाब नहीं मिलने के चलते अब वह इस मामले में कंज्यूमर आयोग का दरवाजा खटखटाएंगे।

उन्होंने कहा कि जो सुविधा मुझे नहीं मिली उसके लिए मैं पैसे क्यों चुकाऊं। वहीं उन्होंने आईआरसीटीसी पर आरोप लगाया है कि उनके द्वारा इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। जिसके चलते कोई भी कार्रवाई आईआरसीटीसी ने नहीं की है।

18 अगस्त का है मामला

18 अगस्त को वंदे भारत एक्सप्रेस भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से हजरत निजामुद्दीन जा रही थी। झांसी में सुबह करीब 8 बजे यात्रियों को ब्रेकफास्ट सर्व किया गया। यात्री अभय सिंह सेंगर के फूड पैकेट में उपमा के ऊपर कीड़ा था। यात्री ने इसका वीडियो बना लिया। उन्होंने बताया, मैं वंदे भारत में ट्रैवल कर रहा था। कीड़ा निकलने पर स्टाफ को बताया। उन्होंने खाना वापस ले लिया। मैं 9:40 बजे ग्वालियर उतर गया, उन्होंने तब तक मुझे दूसरा फूड प्रोवाइड नहीं कराया था।

यह है कैटरिंग चार्जेज

रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार वंदे भारत की दोनों कैटेगरी में अलग अलग कैटरिंग चार्जेज हैं। इसमें इसमें चेयर कार कैटेगिरी में 1720 रुपए के टिकट पर 364 रुपए कैटरिंग चार्जेज के रूप में लिए जाते हैं। इसके अलावा ईसी कैटेगिरी में 3170 रुपए के टिकट पर 419 रुपए कैटरिंग चार्जेज के लिए जाते हैं। इसमें हाईटी के अलावा लंच या डिनर अप और डाउन में यात्रियों को दिया जाता है।

नियम नहीं मगर हम इस बारे में सोचेंगे

कैटरिंग चार्जेज को लेकर आईआरसीटीसी के जीएम अनिल गुप्ता ने कहा कि कैटरिंग चार्जेज को लेकर फिलहाल कोई नियम नहीं है। मगर हम गुड विल को लेकर कुछ इस बारे में सोचेंगे। वहीं इस बारे में यात्री से भी चर्चा करेंगे। मेल के द्वारा की गई शिकायत व उसके लिए रिफंड की मांग।

यह है मामला

वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्री के खाने में कीड़ा निकला है। इस पर यात्री ने हंगामा कर दिया। आरोप है कि उसे दूसरा खाना भी नहीं दिया गया। ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों का कहना है कि वंदे भारत में लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। रेलवे को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी।

4 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

शाजापुर में आधे घंटे जमकर गिरा पानी; भोपाल-इंदौर में धूप निकली

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव रहेगा। भोपाल के कुछ इलाकों में सुबह बूंदाबांदी के बाद तेज धूप निकली है। वहीं, शाजापुर में आधे घंटे जमकर पानी गिरा।

मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को प्रदेश के 4 जिले- अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में अति भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। यहां 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिर सकता है। प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में भी तेज बारिश हो सकती है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह के मुताबिक, मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश के बीच से गुजर रही है। इस वजह से अगले 4 से 5 दिन प्रदेश में कहीं अति भारी और कहीं भारी बारिश हो सकती है।

शाजापुर में गरज-चमक के साथ तेज बारिश

शाजापुर शहर में एक हफ्ते के बाद आज जोरदार बारिश का दौर शुरू हुआ। सोमवार सुबह से रुक-रुक कर कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश हो रही थी। सुबह 11 बजे यहां गरज-चमक के साथ तेज बारिश शुरू हुई। आधे घंटे में ही बारिश से सड़कें पानी से तरबतर हो गईं।

संपादकीय

क्षेत्रीय स्थिरता के लिए दक्षेस की सक्रियता जरूरी

कुछ वर्ष पहले तक दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन यानी दक्षेस या सार्क के तहत इसमें शामिल देशों के बीच आपसी साझेदारी से लेकर वैश्विक मसलों पर रुख तय करने की समझ बनती थी। मगर पिछले कुछ वर्षों के दौरान दक्षिण एशियाई देशों के बीच कूटनीतिक और अन्य मसलों पर जैसे हालात पैदा हुए हैं, उसमें धीरे-धीरे एक तरह की अघोषित दूरी बनती गई। नतीजा यह हुआ कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले उतार-चढ़ाव में एक अहम भूमिका निभाने वाला दक्षेस करीब एक दशक से निष्क्रिय पड़ा हुआ है। समस्या यह पैदा हुई है कि इसमें शामिल देशों में अगर कोई बड़ी समस्या भी खड़ी हो जाती है तो अब आपसी सहभागिता से कोई हल निकालने या उसमें मदद करने की गुंजाइश लगभग ठप पड़ गई है। जबकि पड़ोसी देशों के बीच अच्छे संबंध या कूटनीतिक स्तर पर एक परिपक्व समझदारी कायम हो, तो किसी जटिल समस्या के समाधान की राह खोजने में मदद मिलती है। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए बांग्लादेश में व्यापक उथल-पुथल के बाद गठित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि दक्षिण एशियाई सहयोग संगठन के मकसद को बहाल करने से कई क्षेत्रीय समस्याओं का हल निकालने का रास्ता आसान हो जाएगा। इस क्षेत्रीय समूह में भारत और बांग्लादेश के साथ-साथ अफगानिस्तान, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। पहले इसकी बैठकों में इन देशों में उपजी समस्याओं और उनकी जटिलताओं पर बातचीत होती थी। मगर इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का असर इस संगठन पर भी पड़ा और दक्षेस की बैठक एक तरह से ठप पड़ गई। दक्षेस को फिर से जिंदा करने की बांग्लादेश की ताजा इच्छा से इतर पिछले कुछ समय से नेपाल भी इसे सक्रिय करने की कोशिश कर रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि क्षेत्रीय स्तर पर उभरने वाली परिस्थितियों के हल में दक्षेस की मजबूत भूमिका हो सकती है, क्योंकि संवाद और विमर्श किसी समस्या के हल का सबसे कारगर औजार होता है। नए बनते वैश्विक हालात में दक्षेस को पुनर्जीवित करना निस्संदेह वक्त की जरूरत है।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है।

संघ समन्वय बैठक के संदेश

केरल के पलक्कड़ में 31 अगस्त से 2 सितंबर तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक से निकले संदेश कई अर्थों में महत्वपूर्ण है। संघ की अखिल भारतीय बैठकों पर देश और भारत में रुचि रखने वाले विदेश की भी दृष्टि रहती है। इस समय भारत के अंदर और पड़ोस में कुछ ऐसी गतिविधियां हो रही है जिनके संदर्भ में बहुत बड़ी संख्या में सक्रिय और आम लोग भी जानने को उत्सुक हैं कि इन पर संघ का मंतव्य क्या है और वह क्या कर रहा है। चूंकि यह संघ से जुड़े मोटा-मोटी सभी संगठनों की वार्षिक बैठक थी तो यहां के स्वर और निर्णय का महत्व है। विरोधियों और राजनीतिक दृष्टि से सोचने वालों को छोड़ दीजिए तो संघ पर निष्पक्ष अध्ययन करने वाले मानते हैं कि जो भी निर्णय या भविष्य के कार्यक्रमों के रूपरेखा बनती है वह सभी संबंधित संगठनों के लिए होता है और सभी उसी तरह काम करते हैं जैसे परिवार के सदस्य। पिछले कुछ महीने में भाजपा और संघ के संबंधों पर कई ऐसे संकेत और वक्तव्य आए जिनसे लगता था कि परस्पर संवाद, सहयोग या समन्वय की कमी है। इनमें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का वह बयान अभी तक चर्चा में है कि भाजपा उस दौर से काफी आगे बढ़ चुकी है जब उसे संघ की आवश्यकता थी और अब वह अपना कार्य स्वयं संभालने में सक्षम है। लोकसभा चुनाव परिणाम भाजपा और उनके समर्थकों के उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने के कारण भी अनेक अटकलें और टिप्पणियां सामने आ रही थी। राजनीति और सत्ता की ताकत सबसे बड़ी दिखती है इसलिए सामान्य मानस प्रत्येक विषय को इसी के इर्द-गिर्द देखता है। हालांकि सच यही है कि संघ से जुड़े या उसकी प्रेरणा से काम करने वाले अन्य संगठनों की तरह राजनीति में भाजपा भी एक है। सत्ता के पास सर्वाधिक निर्णयकारी शक्तियां है इसलिए उसके महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। आप देखेंगे कि वहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन मंत्री बी एल संतोष की उपस्थिति मीडिया में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा। बैठक के आरंभ और अंत में जानकारी देने वाले अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के वक्तव्यों में अपनी ओर से भाजपा पर कुछ न कहना बताता है कि भाजपा पर विशेष फोकस नहीं था। प्रश्न है कि समन्वय बैठक में हुए विमर्शों , भाषणों या वक्तव्यों तथा निर्णयों को किस रूप में देखा जाए?

पलक्कड़ में 32 संगठनों के 320 प्रतिनिधि उपस्थित थे जिनमें 90 अखिल भारतीय स्तर के पदाधिकारी थे। उनमें संघ के शीर्ष नेतृत्व और भाजपा के दोनों नेताओं के अलावा शायद ही हम आप किसी का नाम जानते हो। समन्वय बैठक का उद्देश्य सभी संगठनों के पिछले एक सालों की गतिविधियों व उपलब्धियों का विवरण जानना, पिछले बैठक में तय कार्यक्रमों की समीक्षा, संगठनों के कार्यों में कोई समस्या हो तो परस्पर सहयोग से समाधान निकालना, प्रमुख राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श, संगठनों के बीच समन्वय बढ़ाना और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर उसके अनुसार लक्ष्य तय करना होता है जिनमें सभी अपना दायित्व पूरा करने के लिए आगे बढ़े। समन्वय बैठक के बारे में सुनील आंबेकर ने बताया कि हमारे काम का एक ही मूल सिद्धांत है, राष्ट्र प्रथम। मतभेद से संबंधित प्रश्नों पर उनका उत्तर था कि किसी मुद्दे पर मतभिन्नता के बाद राष्ट्र हित का ध्यान रखते हुए निदान किया जाता है। मतभिन्नता या मतभेद को उन्होंने अस्वीकार नहीं किया, यह कहा कि सब कुछ ठीक है।

संघ अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष 2026 की ओर बढ़ रहा है और इस दृष्टि से कुछ कार्यक्रम तय किये। इनमें पांच संकल्प प्रमुख हैं, जिनके आधार पर संघ राष्ट्रव्यापी सामाजिक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ने की घोषणा कर चुका है। ये हैं, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन यानी परिवार व्यवस्था को मजबूत करना,पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय स्वत्व और नागरिक कर्तव्य यानी जीवन के हर क्षेत्र में स्व-भाव के साथ आगे बढ़ना। केरल में बैठक है तो वायनाड भूस्खलन और त्रासदी का विवरण एवं स्वयंसेवकों का समाज के साथ मिलकर किए गए राहत व पुनर्वास कार्यों का चित्र और आगे की योजनाएं भी सामने रखी गई। इसी तरह महिलाओं और बच्चियों के साथ दुराचार, बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा, वक्फ विधेयक,समान नागरिक संहिता आदि। पूरे देश को हिलाने वाला पश्चिम बंगाल का घटनाक्रम गहन चर्चा में न आये ऐसा हो नहीं सकता।

संघ पिछले अनेक वर्षों से समाज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं को आगे लाने, उन्हें स्वावलंबी बनाने तथा उनकी भागीदारी बढ़ाते हुए सामाजिक एकता और परिवर्तन पर काम कर रहा है। पिछले समन्वय बैठक में महिलाओं के लक्षित सम्मेलन निर्धारित हुए थे और प्राप्त विवरण के अनुसार सभी राज्यों के जिला केन्द्रों पर कुल 472 महिला सम्मेलन हुए जिनमें 6 लाख की भागीदारी हुई। परिवार को सशक्त करते हुए भारत के सामाजिक आधार को मजबूत करना है तो महिलाओं के अंदर चेतना, आत्मविश्वास तथा उन्हें अधिकाधिक आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना होगा। इस दृष्टि से संघ सामाजिक परिवर्तन लक्ष्य को आगे बढ़ा रहा है। अहिल्याबाई की त्रिशताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की चर्चा और जनजाति महारानी रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती को व्यापक रूप से मनाने का निर्णय हुआ जिसकी पहल वनवासी कल्याण आश्रम करेगा। जरा सोचिए, दिन - रात दलितों , आदिवासियों की बात करने वाले संगठनों, राजनीतिक दलों और नेताओं ने कभी अहिल्याबाई या रानी दुर्गावती के बारे में चर्चा भी की? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और भाजपा की राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में जनजातियों के बीच के राजाओं, महापुरुषों, महारानियों तथा वीरांगनाओं या समाज में योगदान देने वाली महिलाओं - पुरुषों को जिस तरह महिमामंडित कर उनको आगे लाया है वह पहले नहीं देखा गया। गहराई से देखेंगे तो यह लंबे समय संघ की विचारधारा से मिली प्रेरणा और काम करने वाले संगठनों के समन्वय की ही परिणति है। जिस तरह इस समय भारत को जाति और समुदाय के नाम पर खंडित करने का राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र चल रहा है उनमें केवल उनका प्रतिवाद करने की जगह समाज में सकारात्मक काम करने की आवश्यकता है। आप संघ के समर्थक हों या विरोधी स्वीकार करना पड़ेगा कि यह कार्य व्यापक स्तर पर कोई कर रहा है तो संघ और उसके विचार प्रेरित संगठन ही।

महिलाओं और बच्चियों के विरुद्ध यौन दुराचार पर सभी प्रतिनिधियों द्वारा त्वरित और समयबद्ध न्याय की आवश्यकता पर आम सहमति थी और कहा गया कि कानूनी तंत्र और सरकार को प्रोएक्टिव, सजग और सक्रिय रहने के साथ आवश्यकता होने पर कानूनी ढांचे को मजबूत करना चाहिए। यही पर्याप्त नहीं है। तो संघ के विचार में परिवार स्तर पर शिक्षण के द्वारा जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करने, महिलाओं के बीच आत्मरक्षा कार्यक्रम चलाने और डिजिटल क्षेत्र में महिलाओं से संबंधित मुद्दों विशेषकर ओटीटी प्लेटफॉर्म को हल करना ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएगा। उम्मीद करनी चाहिए कि समन्वय बैठक से इस दिशा में निश्चित कार्यक्रम एवं सरकारों के लिए सुझाव आए होंगे जिन पर अमल होगा। बंगाल में राष्ट्रपति शासन पर संघ का मत अलग है। संघ के अनुसार विषय सरकार का है पर यह बहुत लोकतांत्रिक तरीका नहीं है। हालांकि यह भी कहा गया कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को कानून के अनुसार शासन करने और जनता की शिकायतों का समाधान करने के लिए जनता के प्रति जवाब दिए होना चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार क्या इस तरह का व्यवहार करने वाली है?

जाति जनगणना के मुद्दे को राजनीतिक दलों ने जिस उग्रता से सामने रखा है उससे समाज में भ्रम और तनाव दोनों बढ़ा है। अब इस पर देश को निर्णय करना है और स्वभाविक संघ जैसे सबसे बड़े सांस्कृतिक -स्वयंसेवी संगठन का मत इस बारे में देश जानना चाहता है। पहले भी संघ ने इस पर मत दिया है। पत्रकार वार्ता में पूछे जाने पर सुनील आंबेकर के वक्तव्य का मुख्य स्वर यही था कि संघ समाज के पिछड़ों, वंचितों आदि को मुख्यधारा में लाने के लिए आरक्षण सहित हर प्रकार के उपायों का समर्थन करता है। इस दृष्टि से आवश्यक हो तो हां, किंतु ऐसे संवेदनशील मुद्दों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता आदि की दृष्टि से संवेदनशीलता और गंभीरता से काम किया जाए। यानी इसका राजनीतिक दुरुपयोग न हो। अर्थ हुआ कि संघ को जनगणना के साथ जाति गणना में कोई समस्या नहीं है। हां,सचेत होकर गणना कराने के साथ पूरी सतर्कता से इसका उपयोग करना होगा। संघ के अनेक समर्थकों और जानकारों के बीच इस पर स्पष्ट दो राय हैं। अधिकतर प्रतिक्रिया यही है कि जाति गणना के खतरों, पूर्व गणना के आंकड़ों की विसंगतियों, भारत की जातीय जटिलता और समाज की एकता का ध्यान रखते हुए इसके प्रति देश को सचेत करना चाहिए था। अब संघ ने फिर अपना मत स्पष्ट कर दिया है तो ज्यादातर लोग उसके अनुसार आगे प्रभावों व नकारात्मक उपयोग और दुरुपयोग का पूर्व आकलन करते इससे समाज के रक्षा करने के पूर्व उपाय पर काम करेंगे।

सामयिक

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जम्मू-कश्मीर पर रक्षामंत्री का दूरगामी संदेश

जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार को एक नई करवट देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऐसी बातें कहीं है जो घाटी के लोगों के दिलों को छूने वाली होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है एवं गुलाम कश्मीर के लोगों के प्रति सहानुभूति एवं आत्मीयता दर्शाने वाली है। एक दिन पहले करगिल युद्ध को लेकर पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने वो बात कुबूल कर ली, जो अब तक सारे पाकिस्तानी जनरल पूरी दुनिया से छिपाते रहे। आसिम मुनीर ने साफ-साफ कहा कि कारगिल जंग में पाकिस्तानी सेना का हाथ था। उनके सैनिकों ने शहादत दी है। इसके अगले ही दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जम्मू-कश्मीर की धरती से ये ऐलान कि अगर पाकिस्तान आतंक छोड़ दे तो उसके साथ बातचीत हो सकती है। यह बयान बहुत कुछ कहता है एवं इसके कई दूरगामी राजनीतिक दृष्टिकोण है। पाकिस्तान समझ चुका है कि कश्मीर में अब उसका कुछ नहीं बचा। रही सही कसर, जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों में लोगों की जोरदार भागीदारी ने पूरी कर दी। उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा है, ऐसे में वह हकीकत स्वीकार करता नजर आ रहा है। रक्षामंत्री की कही बातों में पाकिस्तान सरकार को सीधा सन्देश दिया गया है। निश्चित ही राजनाथ सिंह के बयान एक अनुभवी एवं कद्दावर नेता के रणनीतिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े बयान है, जिनकी प्रतिक्रिया दोनों ही देशों में होने के साथ ही चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे राजनीतिक दलों में सुगबुगाहट का बड़ा कारण बना है।

कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द्र का वातावरण बनना गुलाम कश्मीर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं कि उन्हें भी इस ओर आजाद फिजा में सांस लेने का मौका मिले। ऐसे में रक्षामंत्री ने उन्हें भारत का हिस्सा बनने का निमंत्रण देकर पड़ौसी देश की दुखती रग को छेड़ दिया है एवं पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है, बल्कि गुलाम कश्मीर के लोगों में भी नया विश्वास एवं मनोबल जगा दिया है। रक्षामंत्री का यह निमंत्रण बहुत मायने रखता है, इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि गुलाम कश्मीर हमारा है एवं हम इसे लेकर रहेंगे। गुलाम कश्मीर के लोग भारत से मिलने के लिये उत्सुक है, आन्दोलनरत है। क्योंकि पाकिस्तानी शासक उन्हें विदेशियों की तरह देखते हैं। यह एक सच्चाई भी है। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर के लोगों का जैसा दमन और शोषण कर रहा है, उसके कई प्रमाण सामने आ चुके हैं। इसी दमन और शोषण के चलते जब-तब वहां पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लोग भारत जाने की अनुमति भी मांगते रहते हैं। गुलाम कश्मीर में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे लोगों को मारा जा रहा है। वहां के लोग यह अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारतीय भूभाग में किस तरह तेजी से विकास हो रहा है और उन्हें किस तरह पाकिस्तान की ओर से ठगा जाता रहा है। कहना कठिन है कि रक्षा मंत्री के बयान पर पाकिस्तान क्या कहता है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि वह आतंकवाद को सहयोग-समर्थन देने से बाज आएगा। पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे इस चुनाव पर सिर्फ भारतीयों नहीं, पूरी दुनिया की नजर है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि हम गुलाम कश्मीर पर अपना दावा कभी नही छोड़ेंगे। वैसे भी गुलाम कश्मीर के लोग हमारे ही लोग है, उन्हें पाकिस्तान ने कभी अपना माना ही नहीं है। राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर के लोगों को संदेश पाकिस्तान के ताबूत में आखिरी कील की तरह है।

रक्षा मंत्री ने अपने वक्तव्य के जरिये चुनाव के परिदृश्यों को एक नया मोड़ दिया है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। उनके लिए ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के नेता पाकिस्तान परस्ती का परिचय देते हुए उससे बात करने पर जोर दे रहे हैं, लेकिन ऐसा करते हुए वे यह रेखांकित नहीं करते कि वार्ता के लिए उसे आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी कश्मीर के लोगों को अनुच्छेद-370 की वापसी का भी सपना दिखा रहे हैं। यह दिवास्वप्न के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि अब इस विभाजनकारी और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले अनुच्छेद की वापसी संभव नहीं और इसीलिए रामबन में राजनाथ सिंह ने कहा, भाजपा ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि का रास्ता बनाया है। किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं कि वह इस अनुच्छेद को वापस ला सके। ऐसा कहते हुए उन्होंने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया, जो कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है और अनुच्छेद-370 की वापसी के उसके वादे पर मौन धारण किए हुए है। पाकिस्तान एवं घाटी के विभिन्न राजनीतिक दल बार-बार अनुच्छेद 370 का जिक्र कर दुनिया के सामने यह गीत गाते रहे हैं कि 370 हटने से कश्मीर के लोग नाराज हैं। इस झूठ को खुलासा स्वयं कश्मीर की जनता ने लोकसभा चुनाव में वोटिंग के जरिये किया है।

घाटी में चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे हैं राजनीतिक दल पाकिस्तानी राग अलापते रहे हैं। उमर अब्दुल्ला इस वक्त अफ़ज़ल को दी गयी फांसी के विवाद में घिर चुके हैं। उन्होंने कह दिया कि अफ़ज़ल को फाँसी देना गलत था। चूँकि अफ़ज़ल संसद पर हमले का ज़िम्मेदार था, उसकी तरफदारी करके नेशनल कान्फ्रेंस स्पष्ट रूप से जता रही है कि वह आतंकवादियों से मिली हुई है या उनकी तरफ़दारी कर रही है और कांग्रेस उसकी साथी है। इन स्थितियों में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में किए गए वादों से सहमत है? उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह उमर अब्दुल्ला के इस आकलन से सहमत है कि संसद पर हमले की साजिश रचने वाले अफजल गुरु को फांसी की सजा देने से कुछ हासिल नहीं हुआ? यह अलगाववाद और आतंकवाद के दौर की वापसी के समर्थकों की हमदर्दी हासिल करने वाला ही बयान है और इसीलिए राजनाथ सिंह ने उन पर कटाक्ष किया कि अफजल को फांसी न दी जाती तो क्या उसके गले में हार डाले जाते। यह विडंबना ही है कि कांग्रेस उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर भी चुप्पी साधे है, जबकि उसे फांसी की सजा मनमोहन सिंह सरकार के समय ही दी गई थी। ऐसे में कश्मीर के लोगों को तय करना होगा कि वे देश प्रेमियों के साथ हैं या देशद्रोहियों के साथ? बहरहाल, धारा 370 हटने के बाद यहाँ पहली बार हुए लोकसभा चुनाव में पचास प्रतिशत से ऊपर मतदान हुआ था जो अच्छा संकेत है। वर्ना इससे पहले तो तीस प्रतिशत मतदान को भी अच्छा समझा जाता रहा।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता के साथ गुलाम कश्मीर एवं अनुच्छेद 370 के मुद्दे व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेंगे। इन चुनावों में मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। इन स्थितियों में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कश्मीर की जनता को जागरूक किया है एवं मतदान के प्रति सतर्क होने के साथ अपना मतदान विवेक से करने का वातावरण निर्मित किया है।

पंजाब और हरियाणा में गहराती समस्या

जल संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

पंजाब और हरियाणा में धान की कृषि भारत की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, परंतु जल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यह असंधारणीय होती जा रही है। धान की कृषि के कारण भूजल का अत्यधिक दोहन होने से इस क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। हरियाणा में 88 जल इकाइयों को अत्यधिक दोहन वाली श्रेणी में रखा गया है। इस समस्या से निपटने के लिए कृषि और जल संसाधनों दोनों की सुरक्षा हेतु तत्काल सुधार की आवश्यकता है।

भूजल का अत्यधिक दोहन- पंजाब और हरियाणा में धान की खेती के लिए अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे भूजल स्तर में भारी कमी हुई है। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि धान की खेती के लिए अत्यधिक जल दोहन के कारण पंजाब के 87 प्रतिशत ब्लॉकों का अति दोहन किया गया। धान की खेती में प्रति किलो चावल के लिए लगभग 4,000-5,000 लीटर जल की खपत होती है , जिससे क्षेत्र के जल संसाधनों पर बहुत ज़्यादा दबाव पड़ता है। इसकी तुलना में, बाजरे को प्रति किलो केवल 500 लीटर जल की आवश्यकता होती है , जो जल की आवश्यकताओं में भारी अंतर और धान की खेती की असंधारणीय प्रकृति को दर्शाता है। ट्यूबवेल के लिए दी जाने वाली मुफ़्त बिजली ने भूजल के अनियंत्रित दोहन को बढ़ावा दिया है, जिससे यह संकट और भी बढ़ गया है।

पंजाब के किसानों को वर्ष 2023-24 में बिजली, नहर के पानी और उर्वरक के लिए 38,973 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी मिली , जिससे भूजल का निरंतर रूप से अतिदोहन हो रहा है। धान की खेती के कारण बढ़ता जल तनाव, जलवायु परिवर्तन के कारण और भी अधिक हो गया है, अनियमित वर्षा के कारण जलभृतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब और हरियाणा के जल स्तर में तेजी से हो रही गिरावट से कृषि की दीर्घकालिक व्यवहार्यता को खतरा है।

धान की खेती एकल फसल प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिससे जैव विविधता कम होती है और मृदा के पोषक तत्व कम होते हैं, जिससे कृषि संधारणीयता में कमी आती है। अध्ययनों के अनुसार फसल चक्रण से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है परंतु धान की खेती ऐसी विविधता को हतोत्साहित करती है। जल की अधिक माँग के कारण रासायनिक उर्वरकों का उपयोग भी बढ़ जाता है, जिससे मृदा की गुणवत्ता और भी खराब हो जाती है तथा जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं। बाढ़ सिंचाई, धान की खेती में प्रयुक्त होने वाली एक प्रमुख विधि है, जिससे वाष्पीकरण और अपवाह के माध्यम से जल की बहुत बर्बादी होती है। निरंतर धान की खेती से मृदा लवणता बढ़ जाती है, जिससे कृषि भूमि की उत्पादकता कम हो जाती है और यह अन्य फसलों के लिए कम उपयुक्त हो जाती है। धान के खेत, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, विशेष रूप से मीथेन के उत्सर्जन में जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ाता है और दीर्घकालिक कृषि व्यवहार्यता को प्रभावित करता है। धान की खेती प्रति हेक्टेयर 5 टन कार्बोडीऑक्सीडे समतुल्य हानिकारक गैस उत्पन्न करती है , जो इसे कृषि उत्सर्जन में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनाती है।

दालों, तिलहनों और बाजरा जैसी कम जल की खपत वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने से जल का उपयोग काफी कम हो सकता है और संधारणीयता में सुधार हो सकता है। पंजाब की 2024 की योजना, धान को छोड़कर वैकल्पिक फसलों को उगाने के लिए 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन की पेशकश करती है , जिसका उद्देश्य विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए धान से अन्य संधारणीय फसलों पर सब्सिडी को पुनर्निर्देशित करना आवश्यक है। डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों जैसी प्रथाओं को बढ़ावा देने से पैदावार को बनाए रखते हुए जल संरक्षण में मदद मिल सकती है। एमएसपी और खरीद कार्यक्रमों के माध्यम से दालों और तिलहन जैसी फसलों के लिए बाजार आश्वासन सुनिश्चित करने से किसानों के धान के अलावा अन्य फसलों को उगाने का डर , कम हो सकता है। भारतीय खाद्य निगम ने वर्ष 2023 में पंजाब का 92.5 प्रतिशत चावल खरीदा, इसी तरह के तंत्र वैकल्पिक फसलों को उगाने की प्रथा को बढ़ावा दे सकते हैं।

फसल विविधीकरण और जल-बचत प्रथाओं के लाभों के संबंध में किसानों को शिक्षित करने से दीर्घकालिक परिवर्तन को बढ़ावा मिल सकता है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वित प्रयास , पुनर्गठित सब्सिडी , जल-कुशल प्रथाओं और बाजार आश्वासन पर ध्यान केंद्रित करके, पंजाब और हरियाणा को सतत कृषि की ओर उन्मुख किया जा सकता है। इस तरह के सुधार कृषि उत्पादकता को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करेंगे, क्षेत्र के जल संसाधनों को सुरक्षित करेंगे और इसके कृषक समुदायों के भविष्य को सुनिश्चित करेंगे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दृष्टिकोण

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ मनोचिकित्सक हैं और स्तंभकार हैं।

चार पेज बुक के, काम मेरे रोज के

हाल ही में एक निजी चैनल में एक गायक ने अपने इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने अपने गाने के बोल को नस्लों को खराब करने के खतरनाक इरादों से रचा था। यहां तक कि उसे बच्चों जैसी आवाज़ इसलिए गाया कि बच्चे उसे आत्मसात करें।

लोकप्रिय गीतों सहित संगीत, युवाओं के व्यवहार और व्यक्तित्व को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है, जिसमें नशे के सेवन के प्रति दृष्टिकोण भी शामिल है। 'चार बोतल वोदका, काम मेरा रोज़ का' जैसे गाने, जो शराब के उपयोग को महिमामंडित या सामान्यीकृत करते है,नशे के उपयोग के सामाजिक मानदंडों को आकार देने में योगदान दे सकते हैं। ऐसे गाने युवाओं के बीच नशे के उपयोग के तरीके को कैसे प्रभावित करते इसे समझने की कोशिश करते हैं।

नशे के उपयोग का सामान्यीकरण – गानों में इवेंट्स के संदर्भ में शराब पीने को जोड़ा जाता है, तो वे मानसपटल पर शराब पीने को एक नियमित या वांछनीय गतिविधि की तरह बना सकते हैं।

रोल मॉडलिंग – हम मशहूर हस्तियों और कलाकारों को रोल मॉडल के रूप में देखते हैं। यदि हमारे पसंदीदा कलाकार नशे के उपयोग को महिमामंडित करते हैं तो यह हमारे व्यवहार में शामिल होने या गाने में चित्रित जीवन शैली का अनुकरण करने के लिए एक उत्साह पैदा कर सकता है।

जोखिमों के प्रति असंवेदनशीलता– ऐसे गीतों के बार-बार संपर्क में आना जो मादक द्रव्यों के उपयोग को न केवल ग्लैमराइज़ करते हैं या सामान्यीकरण करते हैं बल्कि नशे के संभावित नुकसानों के प्रति लापरवाह बना सकते हैं।

कूल डूड है भाई– कुछ गाने हानिकारक जेंडर संबंधी रूढ़िवादिता को भी सुदृढ़ कर सकते हैं, जैसे भारी शराब पीने के साथ पुरुषत्व को जोड़ना। इससे युवा पुरुषों में अपनी मर्दानगी साबित करने के लिए शराब का सेवन करने के लिए अवास्तविक उम्मीदें और पियर प्रेशर पैदा हो सकता है।

इवेंट्स पर प्रभाव– इवेंट्स के लिए माहौल तैयार करने में संगीत एक बड़ी भूमिका निभाता है। जब नशे को बढ़ावा देने वाले गाने लोकप्रिय होते हैं, तो वे उन पार्टियों या समारोहों के लिए साउंडट्रैक बन सकते हैं जहां नशे की खपत को प्रोत्साहित किया जाता है।

कैसे हो बचाव– दुवाओं को उनके दृष्टिकोण और नशे संबंधी आदतों पर संगीत सहित मीडिया के संभावित प्रभाव के बारे में शिक्षित करने से उन्हें उन संदेशों का क्रिटिकल मूल्यांकन करके चेतना लाने में मदद मिल सकती है। स्वस्थ जीवन शैली और सकारात्मक व्यवहार पर जोर देने वाले सेलिब्रेटीज को बढ़ावा देना युवाओं को बेहतर विकल्प सुझा सकता है। माता-पिता, शिक्षक और समुदाय के नेता युवा लोगों के साथ लोकप्रिय संगीत की सामग्री और इसके संभावित प्रभावों पर चर्चा करके भूमिका निभा सकते हैं।

हम ऐसे सेलिब्रेटी भी बनाएं जो कह सकें चार पेज बुक के,काम मेरे रोज के।

नियामक संस्थाओं को भी यहां से एक बड़ा संदेश लेना चाहिए कि वे जो परोस रहे हैं उसमें न केवल समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करे बल्कि निर्माता की नियत का भी।

कानून और न्याय

भारत में बीमा पॉलिसी-2

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

बीमा उद्योग सख्त नियमों से संचालित

बीमा कंपनियों को जटिल और विकसित नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन की चुनौती का सामना करना पड़ता है। बार-बार नियामक परिवर्तनों को अपनाना, अनुपालन बनाए रखना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना बीमा कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण है।

अदालतें पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने में भूमिका निभाती हैं कि बीमा कंपनियों द्वारा उनके साथ गलत व्यवहार न किया जाए। वे बीमा उत्पादों की गलत बिक्री, अनैतिक प्रथाओं और पॉलिसीधारकों के अधिकारों से संबंधित मुद्दों का समाधान कर सकते हैं। ऐसे मामलों में जहां आईआरडीएआई द्वारा जारी नियामक निर्णयों या आदेश को चुनौती दी जाती है, न्यायपालिका ऐसे निर्णयों की वैधता और उपयुक्तता की समीक्षा करती है और निर्णय लेती है। बीमा मामलों में न्यायिक निर्णय कानूनी मिसालें कायम कर सकते हैं। यह भविष्य के बीमा संबंधी विवादों का मार्गदर्शन करते हैं और बीमा उद्योग के पालन के लिए सिद्धांत स्थापित करते हैं।

बीमा कानून में न्यायपालिका की भूमिका

पॉलिसीधारकों के अधिकारों को बनाए रखने, बीमा क्षेत्र में निष्पक्ष और पारदर्शी प्रथाओं को सुनिश्चित करने और भारत में बीमा उद्योग की समग्र अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। बीमा मामलों में कानूनी निर्णय और निर्णय कानूनी परिदृष्य को आकार देने में मदद करते हैं और बीमा कानूनों और विनियमों की व्याख्या और अनुप्रयोग में स्पष्टता और स्थिरता प्रदान करते हैं। बीमा उद्योग किसी देश की आर्थिक वृद्धि और स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में, बीमा क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो बढ़ती जागरूकता, बढ़ती खर्च योग्य आय और अनुकूल सरकारी नीतियों जैसे कारकों से प्रेरित है। हालांकि, भारत में बीमा कंपनियों को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें निरंतर सफलता और विकास सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक नेविगेशन की आवश्यकता होती है।

भारत में बीमा कंपनियों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों में से एक कम बीमा प्रवेश है। महत्वपूर्ण जनसंख्या और बढ़ते मध्यम वर्ग के बावजूद, भारतीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा बीमाकृत है। इस कम बीमा जागरूकता और पैठ को विश्वास की कमी, सांस्कृतिक मान्यताओं और सीमित वित्तीय साक्षरता जैसे कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। इस चुनौती से निपटने के लिए, बीमा कंपनियां बीमा को जनता के लिए अधिक सुलभ और समझने योग्य बनाने के लिए जागरूकता अभियानों, शिक्षा पहलों और सरलीकृत उत्पाद पेशकशों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

भारत में बीमा उद्योग सख्त नियामक निरीक्षण के तहत संचालित होता है, जो भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा शासित होता है। जबकि, पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा के लिए नियम आवश्यक है, बीमा कंपनियों को जटिल और विकसित नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन की चुनौती का सामना करना पड़ता है। बार-बार नियामक परिवर्तनों को अपनाना, अनुपालन बनाए रखना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना बीमा कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण है। इस चुनौती से निपटने के लिए, कंपनियां मजबूत अनुपालन ढांचे में निवेष करती हैं, विशेष कानूनी और नियामक टीमों को नियुक्त करती हैं और नियामक अधिकारियों के साथ संचार की खुली लाइनें बनाए रखती हैं।

भारत में वितरण परिदृश्य बीमा कंपनियों के लिए अनूठी चुनौतियां प्रस्तुत करता है। देश का भौगोलिक विस्तार बहुत बड़ा है, शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्र उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं और क्रय शक्ति के मामले में अलग-अलग हैं। पारंपरिक वितरण चैनल, जैसे एजेंट और ब्रोकर, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन, बीमा कंपनियां व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंचने के लिए तेजी से डिजिटल वितरण मॉडल की खोज कर रही हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए बीमा उत्पादों को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहे हैं, फिनटेक स्टार्टअप के साथ साझेदारी कर रहे हैं और उपयोगकर्ता के अनुकूल मोबाइल एप्लीकेशन विकसित कर रहे हैं।

बीमा धोखाधड़ी और गलतबयानी भारत में बीमा कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां खड़ी करती हैं। कपटपूर्ण दावे, झूठे दस्तावेज और जानकारी की गलत प्रस्तुति से न केवल बीमाकर्ताओं को वित्तीय नुकसान होता है बल्कि उद्योग में विश्वास भी कम होता है। बीमा कंपनियां संदिग्ध पैटर्न की पहचान करने, धोखाधड़ी वाली गतिविधियों का पता लगाने और जोखिमों को कम करने के लिए उन्नत डेटा एनालिटिक्स टूल, मशीन लर्निंग एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमता में निवेश कर रही हैं। वे अपनी अंडरराइटिंग प्रक्रियाओं को भी मजबूत कर रहे हैं, उचित परिश्रम बढ़ा रहे हैं और कड़े धोखाधड़ी विरोधी उपायों को लागू कर रहे हैं।

बीमा कंपनियों की स्थिरता और लाभप्रदता के लिए अंडरराइटिंग और मूल्य निर्धारण जोखिम सटीक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत में, ऐतिहासिक डेटा की कमी, विविध जोखिम प्रोफाइल और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की व्यापकता अंडरराइटिंग और मूल्य निर्धारण को चुनौतीपूर्ण बनाती है। बीमा कंपनियां डेटा विश्लेषण क्षमताओं में निवेश कर रही हैं, डेटा प्रदाताओं के साथ साझेदारी कर रही हैं साथ ही जोखिम मूल्यांकन मॉडल और मूल्य निर्धारण रणनीतियों में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रही हैं। नए डेटा स्त्रोतों, पूर्वानुमति मॉडलिंग और जोखिम विभाजन तकनीकों को शामिल करके, बीमाकर्ताओं का लक्ष्य पॉलिसीधारकों के लिए पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित करते हुए अंडरराइटिंग सटीकता को बढ़ाना और प्रतिस्पर्धा मूल्य निर्धारण की पेशकश करना है।

भारत में बीमा उद्योग बदलती जनसांख्यिकी, बढ़ती प्रयोज्य आय और डिजिटल परिवर्तन के कारण विकास पथ पर है। हालांकि, बीमा कंपनियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें कम बीमा पैठ, जटिल नियामक वातावरण, वितरण बाधाएं, धोखाधड़ी जोखिम और हामीदारी जटिलताएं शामिल हैं। इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए नवाचार, ग्राहक-केंद्रितता, नियामक अनुपालन और मजबूत जोखिम प्रबंधन रणनीतियों के संयोजन की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी को अपनाकर, वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर और पारदर्शिता के माध्यम से विश्वास का निर्माण कर, भारत में बीमा कंपनियां इन चुनौतियों से निपट सकती हैं और तेजी से विकसित हो रहे बाजार में आगे बढ़ना जारी रख सकती हैं।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस विशेष

स्मिता कुमारी

लेखिक सत्यमेव मानसिक विकास केंद्र की डायरेक्टर एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक हैं।

नॉक नॉक... कोई है? कोई सुनता तो जी उठते हम...

रात के अंधेरे में वह ढूंढ रहा था कोई सुन ले उसकी उलझनों को. भले ही ना सुलझायें, मगर साथ होने का एहसास ही मिल जाये. लेकिन जो मिला वह बस बोल रहा था, सुन नहीं रहा था. शायद कोई सुनता, तो जी उठता वह...'' हर साल इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेशन और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है. लेकिन अफसोस है कि आत्महत्या के आंकड़े में अभी भी कमी नहीं आ पा रही है. आंकड़े बढ़ने के कारणों की बात करें तो सबसे महत्वपूर्ण है बीते कुछ सालों में लोगों के बीच आपसी आत्मीयता की कमी और आत्महत्या या मानसिक समस्या पर खुलकर बातचीत ना करना है. इसलिए इस साल इसका थीम 'चेंजिंग द नॉरेटिव ऑन सुसाइड-स्टार्ट द कन्वरसेशन' रखा गया है.

सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ तो दिया लेकिन ज्यादातर सिर्फ संख्या के रूप में हैं. लोगों के बीच बातचीत तो होती है, मगर अधिकांश लोग अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में स्टीग्मा के कारण किसी से खुलकर बात नहीं करते. अगर कोई बात करता है तो उसे कितना धैर्य से समझा जा रहा है, या फिर सुना जा रहा है यह एक महत्वपूर्ण विषय है. आज तकनीक ने कई काम आसान कर दिया है, लेकिन इसके दुरूपयोग भी बढ़ गए हैं. रील्स और शॉर्ट्स देखने के लत ने लोगों ने ऐसा बना दिया है कि लोगों के पास कहने लिए बहुत सूचनाएं है, मगर सुनने का धैर्य कम होते जा रहा है. इतने सारे अनावश्यक इनफार्मेशन और बाजारीकरण, दिखावा का दबाव, द्वंद, पलक झपकते सब कुछ हासिल करने की होड़, परीक्षाओं के अंक और इनकम की अधिकता को सफलता से आंकने की होड़ ने इंसान को मशीन बना दिया है.

उम्मीद की होती है तलाश- जब भी किसी ने आत्महत्या का कदम उठा लिया तो कई लोग यह कहते हैं कि यह गलत था, उसे किसी से बात करनी चाहिए थी, समाधान ढूंढना चाहिए था. बिल्कुल, आत्महत्या का विचार सही नहीं हैं. यह किसी समस्या का समाधान तो कतई नहीं है. वे ढूंढ़ रहे होते हैं किसी को जो उन्हें सुन सके, लेकिन क्या कोई सुनने वाला था उन्हें? जिंदगी का मोल आत्महत्या करने वाला भी जानता है. वह वह यह कदम उठाने से पहले कई बार सोचता है, प्लान बनाता है, संसाधन की ढूंढ़ता उसके बाद अत्महत्या करता है. अत्महत्या करने तक वह ढूंढ़ता रहता है कि कोई एक उम्मीद की किरण उसे मिल जाए. कोई सुन ले, समझ ले, उम्मीद और विश्वास दे दे. ताकि वह जिस नकारात्मक दौर से गुजर रहा है वह उस दौर से निकल सके. वह भरोसे के साथ नई शुरुआत की ओर बढ़ जाए.

जब भी कोई आत्महत्या की बात करे तो सब कुछ छोड़ कर तुरंत उसके साथ हो लेना एक बेहतर प्रयास हो सकता है, उन्हें बस थोड़ा साथ ही तो नहीं मिल पाता है. जब भी कोई व्यक्ति आत्महत्या का प्लान करता है तो वह जिस-जिस से उम्मीद रखता है या स्नेह रखता है कुछ अजीब व्यवहार के साथ एक बार जरूर बात करता है. उनकी बातों में अत्यधिक निराशा हो सकती है, ना-उम्मीदी हो सकती है, सब कुछ पहले से बेहतर ना होने का विश्वास हो सकता है. कई बार वे निराश होकर बात करते हैं, जैसे उनके पास जो भी है वह किसी और के नाम कर देने की, या इस दुनियां से कोई लगाव ना होने की. इन सभी बातों पर हमें अपने आस-पास के लोगों के लिए ध्यान देने की जरूरत है. यह सब सबके सामने हो रहा होता है.

जब वे किसी से अपने नकारात्मक विचार को बताते हैं और उन्हें जब कोई मजाक में टाल दे, आत्महत्या के विचार पर बात ना करके बात घूमा दे तो वे शर्मिंदगी और

अकेलापन महसूस करके अपने विचार साझा ही नहीं करते हैं. कई बार यह मिथ्य सुनने को मिलता है कि आत्महत्या की कोशिश करने वाले सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए यानी अटेंशन सीकिंग बिहेवियर के कारण ऐसी नकारात्मक बातें करते हैं, कई लोग मानते हैं तनाव से गुजरने वाले से इस पर बात करने से वह आत्महत्या कर लेता है या यह विचार उसके मन में आ जाता है. हालांकि यह सच नहीं है जब कोई इस तरह की बातें या अत्यधिक तनाव के बारे में बोले या उसके व्यवहार में कुछ अजीब बदलाव महसूस हो तो उसे सुनने की जरूरत है, ना कि सुनाने की...

सोशल मीडिया या अन्य अनावश्यक कार्य में लोग ऐसे मशगूल हैं कि खाने के टेबल पर, बिस्तर पर, यहां तक कि किसी से मिलने पर भी बार-बार मोबाइल चेक करने में लग जाते हैं. इस तरह का व्यवहार कब आपको अपनों से दूर कर देता है पता ही नहीं चलता है. थोड़ा समय निकाल अपने परिवार, दोस्त, आस-पड़ोस, प्रियजनों के साथ समय बितायें तो पता चलेगा कि हर आत्महत्या करने वाला या विचार रखने वाला व्यक्ति आपके दिल के दरवाजे को ठकठकाता है. उसे उम्मीद होती है कि कोई सुनेगा.

आत्महत्या को रोकने का समाधान है- टेक्नोलॉजी का अनावश्यक उपयोग और इससे होने वाले समय के अभाव के कारण लोगों में अकेलापन भरते जा रहा है. सोशल मीडिया पर बने रिश्ते कई बार वहां उपलब्ध नहीं हो पाते, जहां किसी को सुनने और समझने के लिए आवश्यक होती है. हर किसी के पास बहुत कुछ कहने के लिए है, मगर बिना जजमेंट के सुनने वाले बहुत कम ही लोग हैं. जब किसी से बात करते समय बार-बार समय के अभाव को दिखाया जाए या उसके तरफ गौर करके उसे नहीं सुना जाए तो डिप्रेस्ड व्यक्ति जुड़ाव नहीं महसूस कर पाता और आत्मग्लानि (गिल्ट) भी महसूस करने लगता है. जिससे वह सबकुछ छुपा जाता है. अगर तनाव से गुजरने वाले लोगों को थोड़ा विश्वास, धैर्यता, बिना पूर्वाग्रह, बिना राय थोपे सुना जाए तो वह अपने जीवन के प्रति नकारात्मक विचार को भी विश्वास के साथ साझा कर देता है. इससे उससे निकालने का प्रयास किया जा सकता है. आत्महत्या किसी समस्या के लिए समाधान नहीं है, मगर आत्महत्या को रोकने का समाधान है. बस अपनेपन का विश्वास, भरोसा, थोड़ा वक़्त, थोड़ी सपोर्ट, उनके होने का महत्व बताना, उनके हॉबीज की ओर जोड़ना, उनके परिस्थितियों को उनके नजरिये से समझने की कोशिश करना, उन पर हुए हिंसा के खिलाफ साथ खड़े होना, उन्हें बात-बात में उस नकारात्मक परिस्थिति के लिए दोषी करार ना करना, मेडिकेशन एवं थेरेपी से तत्काल जोड़ना और सबसे जरूरी है फोकस के साथ उन्हें सुनना... मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए और लोगों को इस विचार से निकालने के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर खुलकर बातचीत करने एवं सुनने की जरूरत है. इसलिए एक प्रयास के रूप में सुनने की क्षमता को विकसित कीजिए ताकि किसी को यह टीस ना रह जाए कि 'कोई सुनता तो जी उठते हम...'

विचार

अनिल त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ अभिभाषक हैं।

क्षण और अनन्त काल्पनिक गणना के दो बिन्दु

मानसिक तरंगों की उत्पत्ति से ही शारीरिक गतिविधियां जन्म लेती है। हमारे मन में हर बिंदु हमेशा दो रुप स्वरूप में ही जन्म लेता है। इसलिए ही जीवन हमेशा गतिशीलता का पर्याय बना रहता है। जीवन की अभिव्यक्ति जीव से हुई है या इसे हम इस तरह भी कह सकते हैं जीव, जीवन की साकार अभिव्यक्ति है। जीवन और जीव क्षणिक भी है और अनन्त श्रृंखला के वाहक भी है। अनन्त में समायी ऊर्जा से जीवन की उत्पत्ति हुई या ऊर्जा का साकार स्वरूप जीव है और जीव की गतिशीलता में जीवन समाया हुआ है। सजीव और निर्जीव यो तो ऊपर ऊपर से चेतना और जड़ता के बाह्य या सूक्ष्म स्वरूप है, फिर भी जड़ का सूक्ष्मतम भाग भी ऊर्जा का सूक्ष्मतम स्वरूप हैं यों तो एकसमूचा जगत चेतना या ऊर्जा का अनन्त प्रवाह है।

मनुष्य की अवधारणाएं गजब की है। अवधारणाओं का जन्म कल्पना करने की मानवीय क्षमता से हुआ है। मानवीय क्षमता के दो आयाम है पहला शारीरिक और दूसरा मानसिक या वैचारिक। शारीरिक क्षमता की एक सीमा है जो मनुष्य मनुष्य में बदलती रहती है।पर मानसिक या वैचारिक क्षमता की कोई अंतिम सीमा रेखा नहीं है। मनुष्य की वैचारिकी की कथा हर तरह से अनन्त रूप स्वरूप में प्रत्येक मनुष्य मन में समायी हुई है। शारीरिक क्षमता और वैचारिक क्षमता एक तरह से साकार निराकार की तरह ही है। हमारे शरीर से हम अकेले शारीरिक क्षमता के आधार पर कोई कार्य सम्पन्न नहीं कर सकते। मानसिक तरंगों की उत्पत्ति से ही शारीरिक गतिविधियां जन्म लेती है। हमारे मन में हर बिंदु हमेशा दो रुप स्वरूप में ही जन्म लेता है। इसलिए ही जीवन हमेशा गतिशीलता का पर्याय बना रहता है। जीवन की अभिव्यक्ति जीव से हुई है या इसे हम इस तरह भी कह सकते हैं जीव, जीवन की साकार अभिव्यक्ति है। जीवन और जीव क्षणिक भी है और अनन्त श्रृंखला के वाहक भी है। अनन्त में समायी ऊर्जा से जीवन की उत्पत्ति हुई या ऊर्जा का साकार स्वरूप जीव है और जीव की गतिशीलता में जीवन समाया हुआ है। सजीव और निर्जीव यो तो ऊपर ऊपर से चेतना और जड़ता के बाह्य या सूक्ष्म स्वरूप है, फिर भी जड़ का सूक्ष्मतम भाग भी ऊर्जा का सूक्ष्मतम स्वरूप हैं यों तो एक समूचा जगत चेतना या ऊर्जा का अनन्त प्रवाह है।

जो स्थिति बूंद और समुद्र की है वहीं स्थिति क्षण और अनन्त की है। बूंद में समुद्र का अंश समाया है और समुद्र में बूंदे विलीन है। न बूंद में समुद्र दिखाई देता है और न ही समुद्र में बूंदे अपना अस्तित्व या साकार स्वरूप दिखा पाती है। यही हाल समुद्र और लहरों का भी है । समुद्र से लहरें है या लहरों से समुद्र का स्वरूप अभिव्यक्त होता है! बूंद और समुद्र या लहरें और समुद्र एक दूसरे में इस तरह घुले मिले हैं कि प्रत्यक्ष तौर पर दोनों का मिला-जुला रूप ही अभिव्यक्त होता है पृथक-पृथक नहीं। यही स्थिति क्षण और अनन्त की भी है, सिद्धांतः दोनों अलग अलग दिखाई पड़ते या अनुभूत होते हैं पर मूल रूप से अलग न हो एक कल्पना के दो छोर ही है। कल्पना हमेशा निराकार ही होती है पर मनुष्य अपनी कल्पनाओं को साकार स्वरूप देना जीवन का लक्ष्य समझता है। जीव और जीवन भी इसी तरह एक दूसरे में समाये हुए हैं। जीव बूंद हैं तो जीवन लोकसागर जिसमें वनस्पति जगत भी शामिल हैं। इस जगत में एक जैसे दो जीव नहीं है और न हीं दो वनस्पति एक समान, जीव और वनस्पतियां अंतहीन विभिन्नताओं का अखंड सिलसिला है। एक ही वृक्ष की एक जैसी दो शाखाएं या पत्तियां भी नहीं होती है फिर भी इतनी विभिन्नताओं में जीवन की एक रूपता है जन्म और मृत्यु की अनन्त श्रृखंला।

जन्म जीव का साकार स्वरूप है तो मृत्यु साकार स्वरूप का निराकार में समाहित हो पुनः अनन्त में विलीन हो जाना है। जगत में मौजूद जीवन और जीव में अनन्त विभिन्नताओं के अस्तित्व में होने पर भी जीवन और जीव में एक निरन्तर एकरूपता दिखाई देती है। जीवन ऊर्जा की एक अनोखी श्रृंखला की तरह है । जिस में कहीं न कहीं,कोई न कोई जीव तो हर क्षण जन्मता और मृत्यु को प्राप्त हो निराकार में विलीन हो जाता है पर जीव और जीवन की अंतहीन साकार श्रृंखला अनवरत जारी रहती है। जीव के अंदर भी अनगिनत कोशिकाओं के जन्म और मृत्यु का अनवरत सिलसिला जारी रहता है। जीव का अंदरूनी जगत और बाह्य जगत जीव के साकार स्वरूप में होते हुए भी निराकार है। निराकार जगत की गतिशीलता का कोई ओर-छोर नहीं होता। फिर भी जगत में निरन्तर चलने वाली गतिविधियां अदृश्य होने के बाद भी समूचे जगत के अनन्त जीवों के जीवन चक्र को क़ायम रखने का काम बिना रुके या थके करती ही रहती है। जीवन सरल है पर आज इस दुनिया के सारे मनुष्य अपनी कल्पनाओं के साकार स्वरूप में दिन-प्रतिदिन तरह तरह के संशोधन, संवर्धन करने में लगे हुए है। इस कारण इस दुनिया में आजतक जहां वनस्पति जगत सघनता से प्रचुरता के साथ क़ायम है वहां वहां जीव और जीवन का प्राकृतिक स्वरूप मौजूद है। पर जहां जहां दुनियाभर में मनुष्य की बहुलता है वहां वहां मनुष्यकृत जटिल जीवन साकार स्वरूप में अभिव्यक्त होने लगा है। मनुष्य की अधिकांश कल्पनाएं क्षणभंगुर होने के साथ जटिल ही होती है और इसी से जीवन का प्राकृतिक क्रम टूटता आभासित होता है। पर मनुष्य की बसाहट की सघनता क्षीण होने पर जीवन का प्राकृतिक स्वरूप पुनः साकार स्वरूप में परिवर्तित होने लगता है। मनुष्य और शेष जीव जिसमें वनस्पति जगत भी शामिल हैं में मूलभूत अंतर यह दिखाई देता है कि मनुष्येतर जीव जंतु और वनस्पतियों का जीवन प्रारंभ से प्राकृतिक अवस्था में ही चलता रहा है और रहेगा। पर मनुष्य की कल्पना शक्ति सहजता से सहजीवन से अलग मनुष्यकृत आभासी दुनिया में जीवन जीने की भंयकर भूख को शांत करने के लिए जटिलतम आभासी जीवन के मकड़जाल में उलझता ही जा रहा है।

शिक्षक का व्हाट्सएप हैक कर की जा रही रुपयों की हेराफेरी

बैतूल/शाहपुर। आज सोमवार शाहपुर विकासखंड के जन शिक्षा केंद्र कुंडी के एकीकृत हाई स्कूल रायपुर में कार्यरत प्राथमिक शिक्षक नरेश मिश्रा का व्हाट्सएप नंबर हैक करके किसी ने ग्रुप में एवं अन्य लोगों को पीएम किसान के नाम से लिंक भेजी है एवं जो भी व्यक्ति मोबाइल से उस लिंक को टच करता है। उसके खाते से पैसे काट लिए जा रहे हैं। परेशान होकर शिक्षक नरेश मिश्रा के द्वारा स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया शाहपुर

एवं थाना प्रभारी शाहपुर को आवेदन दिया गया कि उनका खाता जो हैंग कर दिया गया है एवं उससे राशि कट रही है ।एवं जिस व्यक्ति को हमारे नंबर से पीएम किसान के नाम से जो लिंक भेजी जा रही है उसे व्यक्ति के खाते से भी पैसा कट रहा है। एवं वह लोग हमें फोन करके परेशान कर रहे हैं कि उनके द्वारा उनका पैसा हमारे द्वारा काट लिया गया ।उनके साथ आए उनके शिक्षक साथी मोहम्मद अली के द्वारा बताया गया की कई और अन्य लोगों के मोबाइल नंबर हैंग कर लिया गया है ।और सभी को यह लिंक भेजी जा रही है । इसलिए सभी व्यक्ति सावधान रहें एवं इस लिंक को टच न करें। एवं जैसे भी कोई सूचना प्राप्त होती। इसकी सूचना तुरंत थाना प्रभारी शाहपुर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा शाहपुर को दी जावे। उनके शिक्षक साथी पंडित नरेश मिश्रा इस दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं । थाना प्रभारी शाहपुर से अनुरोध किया गया है कि जल्द से जल्द समस्या का निराकरण करने का कष्ट करें। शिक्षक नरेश मिश्रा रायपुर ने बताया कि उन्होंने अपनी सिम भी बंद करवा दी है।

हरदौली बांध के भू-अर्जन से मिली राशि को लेकर हुई थी हत्या

रिश्ते के पोते एवं बहू निकले हत्या के आरोपी

बैतूल/मुलताई। मुलताई के बिरूल बाजार रोड पर स्थित खेत की मेढ़ पर मिले 80 वर्षीय बुजुर्ग प्रेमलाल की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए थाना मुलताई की पुलिस ने बताया कि मृतक प्रेमलाल 26 दिनों से लापता था बाद में उसका शव मिला। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच की । उपनिरीक्षक अमित पंवार ने बताया कि

विवेचना के दौरान सामने आया कि मृतक प्रेमलाल सतभैये निवासी गुरूसाहब वार्ड का ग्राम हरदौली में खेत था। जहां नगर पालिका द्वारा बनाए हरदौली बांध के भू अर्जन के दौरान मृतक प्रेमलाल का खेत डूब में चला गया था। भू अर्जन राशि 21 लाख 59 हजार रुपए मृतक प्रेमलाल के खाते में फरवरी 2024 में जमा हुई थी। प्रेमलाल की संतान नहीं थी। उसके भाई की बहू वैशाली सतभैये एवं पुत्र विशाल सतभैये प्रेमलाल की देखरेख करते थे। वैशाली नगर पालिका में चौकीदार के पद कार्यरत होने के कारण प्रेमलाल के बैंक खाते में भू-अर्जन की राशि जमा होने की जानकारी मिली थी। वैशाली और विशाल द्वारा उक्त राशि में से करीब 14 लाख रुपए मई 2024 तक निकाल ली थी। जिसकी जानकारी प्रेमलाल को मिलने पर उसके द्वारा शिकायत की गई। जिसके चलते आरोपी वैशाली एवं विशाल प्रेमलाल को पैसे दिलाने का झांसा देकर बिरुल बाजार रोड ले गए एवं हाथ से गला घोंटकर प्रेमलाल की हत्या कर दी। पुलिस द्वारा मामले में दोनों आरोपियों का नाम दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिला अधिकारियों के सितंबर माह का वेतन रोके जाने के दिए निर्देश

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का तीन दिनों में करें निराकरण : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कार्यालय में पदस्थ समस्त शासकीय सेवकों को समयमान वेतनमान, क्रमोन्नति वेतनमान तथा एरियर संबंधी कोई प्रकरण लंबित नहीं होने संबंधी प्रमाण-पत्र अथवा लंबित रहने के कारण की जानकारी कोषालय को उपलब्ध नहीं कराए जाने पर नाराजगी जाहिर की तथा उपरोक्त कार्यवाही संबंधी प्रमाण पत्र कोषालय को उपलब्ध न कराए जाने वाले कार्यालय अधिकारी का सितंबर माह का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों का आगामी तीन दिनों में 80 प्रतिशत निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सीएमओ और विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए आगामी त्योहारों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाए जाने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व, खनिज विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने कार्यालय को स्वच्छ रखें तथा समय-समय निरीक्षण करें। इसके अलावा सभी विभाग प्रमुखों को वार्षिक कैलेंडर बनाए जाने के निर्देश दिए।

17 सितंबर को होगा स्वच्छता ही सेवा 2024 का शुभारंभ

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेस-2 अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के संबंध में अधिकारियों के साथ चर्चा की। आगामी 17 सितंबर 2024 को स्वच्छता ही सेवा 2024 का शुभारंभ किया जाएगा, जिसमें सभी विभागों की भागीदारी रहेगी। सभी विभागों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर 18 सितंबर पौधरोपण किए जाने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा 19 सितंबर को सफाई मित्र सुरक्षा एवं कल्याण शिविर का आयोजन तथा 25 सितंबर को प्लास्टिक मुक्त ग्राम अभियान एवं सभी कार्यालयों को स्वच्छ तथा प्लास्टिक मुक्त बनाये जाने हेतु निर्देश दिये गये।

शिक्षा विभाग में अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग प्रक्रिया में भारी विसंगतियां

जिला शिक्षक संघ बैतूल ने अतिशेष की प्रक्रिया में सुनियोजित धांधली का लगाया आरोप

बैतूल। प्रदेश के लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा आदेशित अतिशेष शिक्षकों के पद स्थापना से संबंधित आदेश के तहत बैतूल जिले के शिक्षा विभाग द्वारा की गई काउंसलिंग प्रक्रिया में सुनियोजित तरीके से धांधली करने का आरोप शिक्षकों द्वारा लगाया जा रहा है। परिणामस्वरूप इसके अंतर्गत की रही काउंसलिंग में कई विसंगतियां देखने को मिली रही है जिसके चलते इसमें आपत्तियां भी खूब हो रही है । इस संबंध में शिक्षक संघ द्वारा सीधे तौर पर आपत्ति दर्ज कराते हुए इस प्रक्रिया को रोकने की मांग भी की जा रही है। ऐसे पीड़ित अतिशेष शिक्षक उच्चस्तरीय अधिकारियों के

पास पहुंच रहे हैं, साथ ही ऐसे शिक्षक लोग जनप्रतिनिधियों के पास पहुंचकर भी न्याय की गुहार लगा रहे हैं। गौरतलब है कि बैतूल जिले में बैतूल, मुलताई, आमला और प्रभात पट्टन ब्लाक शिक्षा विभाग के अंतर्गत है।

जानकारी के मुताबिक शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक और मिडिल स्कूल के शिक्षकों के अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना ग्रेडेशन के अनुसार नहीं किए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार सीनियर शिक्षकों को अतिशेष दिखाकर अपने चहेतों को मनचाहे ब्लॉक में पदस्थी का आदेश दे दिया जा रहा है । इस तरह सुनियोजित तरीके से सीनियर शिक्षकों को अतिशेष साबित कर 80-90 किमी दूर तक अतिशेष बतलाकर भेजा जा रहा है।

आपत्तियों के बाद बदली गई है सूची- मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष की की गई कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षकों को अतिशेष बनाया गया था लेकिन उनके पास जब आपत्तियां आनी शुरू हुई तो कई शिक्षकों को अतिशेष से मुक्त किया गया और शेष शिक्षकों को अतिशेष बनाकर उनकी प्रतिस्थापन आदेश भी जारी कर दिया गया, जिसमें भी आपत्तियां आ रही है। लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है लेकिन अतिशेष की सूची में जिन शिक्षकों को शामिल किया जाकर प्रताड़ित किया जा रहा है उन शिक्षकों द्वारा अब जनप्रतिनिधियों के पास जाकर न्याय की गुहार की जा रही हैं। यहां यह भी मजेदार बात है कि कुछ संकुल के स्कूलों में पोर्टल पर सही जानकारी भी नहीं डाली है, वहीं कुछ शिक्षक की मौत हो गई है और कुछ रिटायर हो चुके हैं उसे भी ऐसे संकुलों में पोर्टल से हटाया नहीं गया है जिसके कारण कुछ स्कूलों में अतिशेष में शिक्षकों को ला दिया गया है जो कि न्याय संगत नहीं है।

अभी भी है विसंगतियां- इस मामले में शिक्षक संघ के अध्यक्ष नारायण नगदे का आरोप है कि गत 27 अगस्त की रात 12.00 बजे शिक्षकों को यह सूचना दी गई थी कि अतिशेष से संबंधित 28 अगस्त को काउंसलिंग है। पोर्टल में दिए गए आदेश के बाद जिन शिक्षकों को जानकारी मिली, वही काउंसलिंग प्रक्रिया में आपत्तियां लगा पाए, लेकिन विभाग के कर्ताधर्ताओं द्वारा अपने चहेतों को उनके मनचाही स्थान पर पदस्थापना कर दिया गया। लेकिन अब इनकी शिकायत लोक शिक्षण संचानालय भोपाल के आयुक्त एवं संयुक्त संचालक नर्मदापुरम के पास जाकर की जा रही है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि उन पीड़ित शिक्षकों को जरूर न्याय मिलेगा।

जूनियर को मौका सीनियर को तौबा

शिक्षा विभाग बैतूल द्वारा जिन अतिशेष शिक्षकों और उच्च पद प्रभार के लिए शिक्षकों के लिए पदस्थापना किया जा रहा है, उसमें मजेदार बात यह भी है कि इसमें जूनियर को तो पूरा मौका दिया जा रहा है और सीनियर शिक्षकों को दरकिनार कर दिया गया है। इस आशय को लेकर सीनियर शिक्षकों के संघ ने संयुक्त संचालक नर्मदापुरम और आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल को पत्र भेज कर इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए आग्रह किया है।

इनका कहना-

डायरेक्टर एवं एडिशनल डायरेक्टर डी.पी.आई. भोपाल के निर्देशानुसार अतिशय शिक्षकों की नीतिगत व्यवस्था की जा रही है। जो अतिशेष शिक्षक इस प्रक्रिया से स्कूलों से हट रहे हैं वे तो हो-हल्ला करेंगे ही और रही बात अंतर्निकाय संविलियन वाले शिक्षकों की, तो जिन्होंने काउंसलिंग में आपत्ति दर्ज की, उनकी बात सुनकर शासन की नीति अनुसार कार्रवाई भी हुई और जिन्होंने काउंसिल में आपत्ति दर्ज नहीं की, वे शिक्षक अभी भी होल्ड पर हैं। यदि किसी स्कूल में पद खाली होने पर भी विभाग के पोर्टल में नहीं दिखा रहा है, तो आपको बताना चाहूंगी कि पोर्टल में पद खाली की एंट्री का कार्य स्कूल के संकुल प्राचार्य द्वारा बीईओ के माध्यम से डी.ओ. द्वारा परीक्षण कराकर डी.पी.आई. भोपाल को जानकारी भेजी जाती है और यदि कहीं पद खाली है तो यह परीक्षण काउंसलिंग के पूर्व में ही होना चाहिए था। और रही बात काउंसलिंग की सूचना देने की, तो वह डी.पी. आई भोपाल द्वारा पोर्टल में कुछ घंटों पूर्व ही डाली जाती है।

- भावना दुबे,
संयुक्त संचालक नर्मदापुरम संभाग

प्राची के मॉडल का हुआ राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयन

पर्यावरण के लिए जीवन शैली विषय पर आधारित है माडल

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र से लगातार प्रतिभाएं निकलकर सामने आ रही है। इस बार नगर के समीप ग्राम चिखली खुर्द की कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी प्राची पुत्री धर्मराज कवडकर ने नाम रोशन किया है। उन्होंने पिछले वर्ष विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2023 24 में भाग लिया था, जब वह कहा 8वीं में थी। उन्होंने 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली' विषय पर आधारित मॉडल तैयार किया था। जिसमे कम पानी वाले क्षेत्रों में भी फलदार पौधों को ड्रिप तंत्र का उपयोग कर लगाया जा सकता है।

कुमारी प्राची ने बताया कि यह विधि कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए वरदान है, इससे पौधों की जड़ों में सीधे बूंद बूंद कर पानी दिया जाता है, जिससे पानी की बर्बादी भी नही होती और पौधे भी पनप जाते है। उन्होंने बताया की इस वर्ष 11 से 12 सितंबर तक जबलपुर में राज्य स्तरीय

विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे भाग लेने के लिए मुलताई से उनके मॉडल का चयन हुआ है। उन्होंने बताया की अलग अलग विषयों पर बैतूल जिले से कुल 8 मॉडल और प्रोजेक्ट का चयन हुआ है। फिलहाल कुमारी प्राची अब नगर के पीएम श्री स्कूल में कक्षा 9वीं में अध्ययन कर रही है। उनका राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में चयन होने पर परिजनों, ग्रामवासियों सहित स्कूल के शिक्षक शिक्षाओं द्वारा उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी गई है।

ग्राम रोजगार सहायक/सहायक सचिव संगठन की कार्यकारिणी घोषित

बैतूल/मुलताई। ग्राम रोजगार सहायक सचिव संगठन का मिलन समारोह एवं महत्वपूर्ण बैठक राजा भोज बारात भवन कामथ ब्लॉक अध्यक्ष लालसिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमे संगठन के नवीन ब्लॉक अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी के विस्तार हेतु प्रस्ताव पर सभी सदस्यों से चर्चा की गई और सर्वानुमति से प्रस्ताव पारित किया गया। सहायक सचिव संगठन जनपद पंचायत मुलताई के ब्लॉक अध्यक्ष पद पर लालसिंह चौहान ग्राम पंचायत निरगुड के नाम पर पुनः सभी ने सहमति व्यक्त करते हुए प्रस्ताव को सर्वानुमति से पारित किया। नवीन कार्यकारिणी इस प्रकार है-- ब्लॉक अध्यक्ष लालसिंह, चौहान,सचिव राजू खपरिये,

उपाध्यक्ष नरेंद्र गढ़ेकर,सोशल मीडिया प्रभारी, आशीष सिंह राजपुत संगठन महामंत्री, अलकेश सूर्यवंशी,संयोजक, अशोक बुवाडे,सहसंयोजक श्रीमति अनामिका नागले, विधि सलाहकार सुधीर कोषे देवेंद्र डोंगरे, मनोज पाटिल ,युगल रघुवंशी बैठक में जनपद पंचायत मुलताई के समस्त सहायक सचिव उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और समस्त पदाधिकारियों का स्वागत कर बधाई दी।

भौंरा में गणेश उत्सव की धूम, शिव मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन

बैतूल/भौंरा। नगर में गणेश उत्सव का भव्य शुभारंभ गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर हुआ। माता मोहल्ला स्थित बिजादेही रोड के शिव मंदिर में पहले दिन संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के सैकड़ों श्रद्धालु श्रद्धाभाव के साथ उपस्थित रहे। भक्तों ने भगवान गणेश की आराधना और सुंदरकांड पाठ के माध्यम से भक्ति की गंगा बहाई। पूरे मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि गूंजती रही, जिससे माहौल अत्यंत धार्मिक और सौम्य हो गया। सुंदरकांड पाठ के दौरान नगर के पुरुष एवं युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। भक्तों ने भगवान गणेश से सुख, समृद्धि, और शांति की कामना की। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि यह कार्यक्रम नगर के धार्मिक और सांस्कृतिक एकता को और मजबूत करता है।

गणेश प्रतिमाओं की घर-घर स्थापना- शिव मंदिर में सुंदरकांड पाठ के साथ ही नगर भर में भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला शुरू हो गया। विभिन्न पंडालों और घरों में भगवान गणेश को विधि-विधान के साथ विराजमान किया गया। भक्तों ने परिवार के साथ भगवान गणेश की स्थापना कर पूजा-अर्चना की। पूरे नगर में भक्ति और उल्लास का माहौल है।

इस वर्ष भौरा नगर के प्रमुख स्थानों पर भी पंडाल सजाए गए हैं, जिनमें बड़े ही हर्षोल्लास के साथ गणेश जी की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। पंडालों को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। राधे मित्र मंडल गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष ने बताया कि इस बार पंडालों में विशेष सजावट की गई है, जो दर्शनीय है। पूरे उत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें नगरवासियों के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी लोग भाग लेंगे। आयोजन के दौरान भक्ति संगीत, भजन-कीर्तन, और सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जिनमें विशेष रूप से युवाओं और बच्चों का उत्साह देखने लायक होगा।

आस्था का महापर्व

गणेश उत्सव भौरा में एक प्रमुख धार्मिक उत्सव है, जो न केवल नगरवासियों बल्कि आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष महत्व रखता है। भगवान गणेश की पूजा-अर्चना से नगर में सकारात्मक ऊर्जा और उल्लास का संचार होता है। गणेशोत्सव के दौरान विभिन्न सामूहिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक और धार्मिक एकता को बढ़ावा मिलता है। नगर के वरिष्ठ नागरिकों का कहना है कि गणेश उत्सव केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एकजुटता और आपसी सद्भाव को भी प्रोत्साहित करता है।

रेलवे स्टेशन के पास पुराने अस्पताल की छत्रछाया में लिया संकल्प हमारा उद्देश्य सोहागपुर में बने ओवरब्रिज

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। रेलवे स्टेशन के पास अस्पताल की छत्रछाया में लिया संकल्प हमारा उद्देश्य सोहागपुर में बने ओवरब्रिज। इसी संकल्प को लेकर तिलक वार्ड में नागरिक संघर्ष समिति की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में नागरिक संघर्ष समिति के संयोजक शिवकुमार पटैल, पूर्व पार्षद हरगोविंद पाली,प्रदीप दुबे,सुरेश दुबे,सुरेश नरवरिया, वरिष्ठ पार्षद धर्मदास बेलवंशी, विख्यात कवि शरद व्यास, पूर्व पत्रकार संघ देवेंद्र कुशवाहा, अधिवक्ता कपिल शर्मा,रामसिंह रघुवंशी,कैलाश कुशवाहा, पूर्व सैनिक नीलम पटेल,कोस्तुभ दुबे, दीपक दुबे,संजय मेहरा, ओमप्रकाश पटेल,सुरेशसिंह, रतनलाल, मोहन, अशोककुमार नागा,विक्की छाबड़िया, श्यामलाल, दीनदयाल कुशवाहा,विवेक दुबे, नंदकिशोर केवट,सुधीर मौर्य,दामोदर कुशवाहा, गोलू राजपूत, पवन पाली,अनिकेत पाली,उदित नागवंशी, पोहप सिंह विश्वकर्मा,प्रदीप कुशवाहा, रामबाबू सराठे,निखिल श्रीवास आदि उपस्थित थे। इस बैठक में विचार-विमर्श किया गया कि आखिर क्यों जनप्रतिनिधि सोहागपुर में ओवरब्रिज या अंडरब्रिज निर्माण में उदासीनता बरती गई। लेकिन स्थानीय

जनप्रतिनिधि 1997 में तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शशि संतोष मालवीय,तिलक वार्ड पार्षद प्रदीप दुबे, 2002 में नगर पंचायत अध्यक्ष संतोष मालवीय तिलक वार्ड पार्षद हरगोविंद पाली, बैजयंती मोर्य आदि ने इस विक्राल समस्या के लिए अपने अपने स्तर पर प्रयास किए। उल्लेखनीय यह भी है कि सारे आफिस, स्कूल, अस्पताल,पोस्टआफिस, मुख्य बाजार दूसरी तरफ है। तिलक वार्ड एवं इंदिरा वार्ड के अलावा करीबन चालीस ग्रामों के सोहागपुर आने का यही उचित एवं सरल रास्ता है। सोहागपुर विधानसभा के अस्तित्व के आने के बाद यह लगने लगा था कि अब उक्त समस्या का निदान हो जाएगा। लेकिन यह सब नागरिकों का द्ववास्वप्न रहा। लेकिन वरिष्ठ पार्षद धर्मदास बेलवंशी ने निरंतर करीबन 17 सालों से नागरिकों की ओवरब्रिज की समस्या को लेकर सजगतापूर्वक रेलवे प्रशासन से गुहार करते रहे। इधर वकील शिवकुमार पटैल ने 2 नवंबर 2022से लगातार ओवरब्रिज की समस्या के समाधान का प्रयास प्रारंभ किया है।नागरिक संघर्ष समिति के संयोजक शिवकुमार पटेल ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य रेलवे समपार गेट पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग है । इस ओवरब्रिज के बनने से नागरिकों के समय की काफी बचत होगी।जो रेलवे गेट खुलने का घंटों इंतजार करते हैं।इस अभियान में अधिक से अधिक लोगों जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इसके उपरांत रेल मंत्री, सांसदों को ज्ञापन दिया जाएगा।इस अभियान को हम व्यापक रूप से जन जन का अभियान बनाएगे। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 15 सितंबर को पुनः बृहद बैठक रेलवे समपार गेट के पास नई कालोनी में शाम 4 बजे आहूत की गई है।। जिसमें दोनों वार्डो के साथ ही ग्रामीणों को भी बैठक में आमंत्रित किया जाएगा।

कलेक्टर के निर्देश पर अधिकारियों ने स्कूल, आंगनबाड़ी छात्रावासों एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर जिले के विभिन्न विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न स्कूलों आंगनबाड़ी केन्द्रों छात्रावासों एवं आश्रम शालाओं एवं निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के श्री वासुदेव दवंडे, ने पिपरिया के ई सेवा केंद्र ग्राम पंचायत खेरा का निरीक्षण किया एवं माध्यमिक शाला खैरा में उन्होनें विद्यार्थियों को रोचक तरीके से गणित के सवाल समझाये। उन्होनें ग्राम खैरा में निर्माणाधीन नलजल योजना का निरीक्षण किया साथ ही बच्चो को मिलने वाले मध्यान्ह भोजन को चैक किया। मध्यान्ह भोजन रुचिकर पाया गया। जिला आपूर्ति नियंत्रक अधिकारी श्रीमती ज्योति जैन सिंघई ने नर्मदापुरम के शासकीय कन्या उच्च.मा.वि. जुमेराती का निरीक्षण किया। उन्होनें मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता भी जांची। बच्चों के बीच पहुंचकर बच्चों की शैक्षणिक योग्यता को परखा। स्कूल परिसर में कचरे के ढेर दिखने पर उन्होनें नाराजगी व्यक्त की और कचरा हटाकर परिसर को स्वच्छ रखने के निर्देश दिये। उन्होनें वार्ड 27 के आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। केन्द्र में बच्चों को पर्याप्त पोषण आहार दिया जा रहा है। जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने शा. कन्या.उच्च.मा.वि सोहागपुर का निरीक्षण किया। वे स्कूल की प्रार्थना में शमिल हुए। बच्चों को प्रेरणादायी सीख दी एवं कक्षा में पहुंच कर छात्राओं को पाठ्य पुस्तक संबंधी प्रश्न पूछे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने ग्राम पंचायत सांवलखेडा एवं बेहराखेडी में स्कूलों एवं आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होनें पंचायत में संचालित ई केवायसी शिविरों का भी अवलोकन किया। ए.डी.ई.ओ राजेश गुप्ता ने ग्राम गूजरवाडा के आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। डीपीसी डॉ राजेश जैसवाल शासकीय कन्या

उच्च 0मा0वि सूरजगंज का निरीक्षण किया। उन्होनें परिसर में स्वच्छता, छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने, माध्यमिक शाला के शौचालय की मरम्मत तथा एनएएस हेतु तैयारी करनें के निर्देश दिये।

उन्होने स्टैशनगंज शाला में अनुपयोगी कक्ष को जीर्ण शीर्ण घोषित करने के लिए इंजिनियर के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कर लोक निर्माण विभाग को भेजने के निर्देश दिये। छात्राओं के साथ संवाद कर क्लास, कैंपस एवं कॉरीडोर स्वच्छ एवं सुदर बनाने के लिए प्रेरित किया। जनपद पंचायत सोहागपुर के मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने ईकेवायसी कैंप शोभापुर का निरीक्षण किया। प्राचार्य कन्या महाविद्यालय डॉ कामिनी जैन ने अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास नर्मदापुरम का निरीक्षण किया। छात्राओ को पढ़ लिखकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जनपद पंचायत सिवनी मालवा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रुति चौधरी ने ग्राम धमासा में प्रगतिरत नलजल योजना का निरीक्षण किया। गत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसपीएस बिसेन ने सोमलवाडा के स्कूल का निरीक्षण कर खेल मैदान में खेल गतिविधि आयोजित करने के निर्देश दिये थे। अब स्कूल में खेल गतिविधियां प्रारंभ करा दी गई है। डीआरसीएस श्री शिवम मिश्रा ने पिपरिया के ग्राम राईखेडी के हाई स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। जनपद पंचायत नर्मदापुरम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमन्त सूत्रकार ने ग्राम खेड़ला में स्थित नलजल योजना रेट्रो फिटिंग का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये।

अपर मुख्य सचिव ने भ्रमण कर जायजा लिया

विदिशा (निप्र)। वन एवं सहकारिता विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल तथा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने आज विदिशा जिले के ग्राम सांकलखेडा, पीपलखेडा, रमपुराजागीर एवं हींगली में पहुंचकर क्रियान्वित शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का जायजा लिया है। ग्राम सांकलखेडा में संचालित सहकारिता समिति एवं ग्राम पीपलखेडा की शासकीय उचित मूल्य दुकान के माध्यम से शासन की योजनाओं के तहत हितग्राहियों को प्रदाय की जाने वाली सामग्री के वितरण का जायजा लिया है।

भ्रमण के दौरान पौधरोपण कार्यो में भी सहभागिता निभाई है। अपर मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने पांच वर्ष पूर्व ग्राम रमपुराजागीर में लगाए गए पौधो का अवलोकन किया वहीं ग्राम हींगली में नवीन पौधरोपण कार्यो का अवलोकन किया है। वन परिक्षेत्र शमशाबाद के कक्ष क्रमांक पीएफ 239 वीट थाना वन परिक्षेत्र शमशाबाद में हुए पौधरोपण प्लांटेशन का भी निरीक्षण किया है।

वन विभाग के अमले एवं वन समिति द्वारा सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूर्ण सजगता के साथ करने पर ग्राम हींगली नर्सरी के चैकीदार सहित अन्य का हौंसला अफजाई करते हुए फूल माला पहनाकर सम्मानित किया है। निरीक्षण भ्रमण के दौरान वन मण्डलाधिकारी श्री लोकप्रिय भारती, उप वन मण्डलाधिकारी श्री विजय मौर्य, वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री देवेश गौतम सहित अन्य मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस दस को

विदिशा (निप्र)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बच्चो को कृमि संक्रमण से बचाव के लिए राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 सितम्बर को जिले के सभी स्कूलों, आंगनबाडी केन्द्रो में एक वर्ष से 19 वर्ष आयु तक के सभी बालक-बालिकाओं को आयु अनुसार एल्बेण्डाजोल की कृमिनाश्क गोली का सेवन कराया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी ने बताया कि जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विदिशा में मंगलवार दस सितम्बर की पूर्वान्ह 11 बजे से आयोजित किया गया है। ऐसे बालक बालिका जो दस सितम्बर को कृमिनाश्क दवा खाने से वंचित रह जाएंगे उनको 13 सितम्बर को एल्बेण्डाजोल गोली का सेवन कराया जाएगा।

निराश्रित गौवंश को गौशाला में लाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

हरदा (निप्र)। जिला गोपालन बोर्ड की बैठक में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह द्वारा दिए गए निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरदा के मार्गदर्शन में जिले में निराश्रित गौवंश के व्यवस्थापन की कार्यवाही की जा रही है, इसी क्रम में शुक्रवार रात्रि में नगर पालिका सिराली क्षेत्र अंतर्गत 32 एवं नगर पालिका हरदा क्षेत्र अंतर्गत 40 निराश्रित गौवंश को संबंधित नगर पालिका के अमले द्वारा सिराली गौशाला एवं कांजी हाउस हरदा में शिफ्ट किया गया। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एस.के. त्रिपाठी ने बताया कि पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों ने शनिवार को इन निराश्रित गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर बीमार एवं घायल पशुओं का उपचार किया। इस दौरान ऐसे पशु जिनमें टैग नहीं लगे हुए थे, उनमें टैगिंग की कार्यवाही की गई।डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि जिले में निराश्रित गौवंश के व्यवस्थापन की कार्यवाही सतत रूप से जारी रहेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के पशुपालकों से उनके पशुओं को घर पर बांधकर रखने और उनकी हर संभव देखभाल करने का आव्हान किया है, ताकि पशु सड़क पर न आए और सड़क पर पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

2 अलग-अलग मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये इनाम घोषित

हरदा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे ने 2 अलग-अलग मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये 3-3 हजार रूपये की इनामी उद्घोषणा की है। उन्होने थाना सिराली के अपराध क्रमांक 168/2024 में आरोपी वसीम खान पिता उस्मान निवासी सिराली की तलाश एवं पतारसी के लिये 3 हजार रूपये का इनाम घोषित किया है। इसी प्रकार थाना टिमरनी के अपराध क्रमांक 98/2024 में अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी व नाबालिक बालिका की पतारसी के लिये भी पुलिस अधीक्षक श्री चौकसे ने 3 हजार रूपये के इनाम की घोषणा की है। जारी उद्घोषणा में कहा गया है कि जो व्यक्ति इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये जरूरी सूचना देगा या गिरफ्तारी में मदद करेगा, उसे इनाम की यह राशि दी जाएगी। पुरस्कार वितरण के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक जिला हरदा का मान्य होगा।

स्वच्छता जागरूकता के अंतर्गत शिविर ओर नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिला अस्तपाल एवं शासकीय स्कूलों में स्वच्छता जागरूकता रैली , व्याख्यानमाला एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सुधीर कुमार डेहरिया द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली जिला अस्पताल से रवाना की गई। जिला तम्बाकू नियंत्रण अधिकारी डॉ.नेहा सिंह द्वारा स्वच्छता पर महारानी लक्ष्मी बाई कन्या विद्यालय तथा शासकीय टैगोर स्कूल में पर्यावरण व स्वास्थ्य सुरक्षा एवं स्वच्छता पर विस्तार से व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर छात्रों को स्वच्छता एवं पर्यावरण सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। स्कूलों में छात्र-छात्रओं द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए गए। छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें स्वच्छता एवं पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया गया। आम लोगों को जागरूक किया गया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान में सभागिता बनाने, अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखने तथा घर में जमा किया गया कचरा नगर पालिका द्वारा निर्धारित स्थल अथवा कचरा गाडी में रखे जाने का आव्हान किया गया।

पोषण उत्सव के तहत आंगनवाड़ियों में पोषण मटका कार्यक्रम आयोजित किया गया

हरदा (निप्र)। जनसमुदाय को स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के संबंध में जागरूक करने के लिये प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सितम्बर माह को ''राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के दौरान मुख्य रूप से पोषण भी पढ़ाई भी की थीम पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को ग्राम हरपालिया, ग्राम भीमपुरा, पंधानिया, ऊंचाबरारी, कापसी, सोडलपुर, हरदा खुर्द, सिरकम्बा व अंधेरीखेड़ा में पोषण मटका गतिविधि आयोजित की गई। इस दौरान गर्भवती व धात्री माताओं तथा 6 वर्ष तक के बच्चों व किशोरी बालिकाओं की माताओं को पोषण के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। इसके अलावा हरदा शहर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण उत्सव के तहत फलों, सब्जियों, बेकरी, अण्डा और मसालों की दुकानों पर जाकर पोषण संबंधी जानकारी दी गई।

कपड़ों की सिलाई के साथ-साथ मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना मेरी जीवन में मददगार साबित हो रही : श्रीमती निशिका कांसकर

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सहायता के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1250 रूपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जा रही है।

जिसे महिलाएं अपनी आवश्यकतानुसार खर्च कर रही है। नर्मदापुरम के वॉर्ड नंबर 02 होली चौक निवासी श्रीमती निशिका कांसकर भी लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित महिलाओं में से एक है। श्रीमती निशिका

बतातीं हैं कि वे कपड़ो की सिलाई का कार्य घर से ही करती है। सिलाई के काम में ज्यादा पैसा नहीं मिलता है, जिससे घर चलाने और स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति नही हो पाती थी। लाडली बहना योजना से मुझे बहुत मदद मिली है। श्रीमती निशिका कहतीं हैं कि अब मैं अपने छोटे-मोटे खर्चों और बच्चो की छोटी छोटी जरूरतों को पूरा कर लेती हूं। उन्होंनें बताया कि लाड़ली बहना योजना के तहत मिलने वाली राशि मेरे लिए बहुत ही मददगार साबित हो रही है। लाड़ली बहना योजना के लिए श्रीमती निशिका ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

जिला अस्पताल में 17 सितम्बर से शुरू होगा पीएम जनऔषधी केन्द्र, कलेक्टर श्री दुबे की अध्यक्षता में जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने जिला अस्पताल में 17 सितम्बर से प्रधानमंत्री जन औषधी केन्द्र प्रारंभ किए जाने हेतु की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधी केन्द्र का संचालन शासन की गाइडलाइन अनुसार किया जाए। यह केन्द्र प्रातः 09 बजे से रात्रि 09 बजे तक संचालित होगा। बैठक में रोगी कल्याण समिति द्वारा नेत्रदान को बढ़ावा देने, वृक्षारोपण, रक्तदान, सिकल सेल आदि के लिए जनजागरूकता हेतु गतिविधियां आयोजित किए जाने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री, सिविल सर्जन डॉ अनिल ओढ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि से अपने सपनों को पूरा करने के लिए कोचिंग की फीस भरने में मदद मिली : श्रीमती भारती सारोठिया

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिये वरदान साबित हो रही है। लाभान्वित महिलाओं का कहना है कि प्राप्त राशि को वे विभिन्न कामों में लगायेंगी, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। नर्मदापुरम जिले के वार्ड क्रमांक 14 की निवासी श्रीमती भारती सारोठिया भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जो आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। वे बताती हैं कि लाड़ली बहना योजना से मिलने वाली 1250 रुपए की राशि मेरे जीवन में नई आशा की किरण लेकर आई है। राशि के आभाव में वे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही थी। लेकिन इस 1250 रुपए की हिम्मत से मैंने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए) डिप्लोमा को पूरा कर रही हूं और साथ में प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी भी कर रही हूं, जिससे अब असंभव लगने वाला मेरा नौकरी लगने का सपना पूरा हो सकेगा। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से मैं बहुत खुश हूं इसके लिए मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की आभारी हूं।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत हितग्राहियों का चयन हुआ

वाराणसी (काशी) अयोध्या तीर्थ दर्शन हेतु 14 को रवाना होंगे

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत वाराणसी (काशी) अयोध्या के लिए जिले में कुल प्राप्त 1042 आवेदनों में से लक्ष्य अनुसार 279 हितग्राहियों एवं प्रतीक्षा सूची का चयन शनिवार को कम्प्यूटर रेण्डमाइजेशन प्रणाली के माध्यम से सम्पन्न हुआ है। कलेक्टेऊट के एनआईसी व्हीसी कक्ष में सम्पन्न हुई उपरोक्त प्रक्रिया के दौरान अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर श्री विनीत तिवारी समेत अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं आवेदकगण मौजूद रहे। सम्पूर्ण प्रक्रिया एनआईसी के डीआईओ श्री एमएल अहिरवार के द्वारा संपादित की गई है। चयनित हितग्राहियों की सूची जिले के सभी जनपदो एवं निकायो के कार्यालयों में चस्पा कर प्रदर्शित की जाएगी। वहीं चयनित हितग्राहियों को सूचनाएं संबंधित क्षेत्र के तहसील कार्यालय के माध्यम से दी जाएगी। संयुक्त कलेक्टर श्री तिवारी ने बताया कि विदिशा जिले से 279 तीर्थयात्रियों को वाराणसी (काशी) अयोध्या के लिए विदिशा रेल्वे स्टेशन से स्पेशल टेऊन से 14 सितम्बर को रवाना होंगे और तीर्थदर्शन के उपरांत 19 सितम्बर को वापिस विदिशा आएंगे। तीर्थयात्रियों के साथ छह अनुरक्षक भी रवाना होंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से राजेन्द्र को भी मिला पक्का घर

रायसेन (निप्र)। प्रत्येक व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना पक्का घर हो, जिसमें वह अपने परिवार के साथ आराम से रहे। पहले गरीबों का यह सपना, सपना ही रह जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू होने के बाद अब गरीबों का भी पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। रायसेन नगर के वार्ड क्रमांक-13 में निवासरत श्री राजेन्द्र यादव भी उन हितग्राहियों में शामिल हैं जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। हितग्राही श्री राजेन्द्र यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु आवेदन करने के बाद उन्हें प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हो गया तथा आवास के लिए तीन किस्तों में कुल ढाई लाख रू की राशि प्राप्त हुई।

पीएम जनमन योजना से हितग्राही अनिल आदिवासी के परिवार का जीवन बदला

विदिशा (निप्र)। श्री अनिल आदिवासी दूरस्थ आदिवासी गाँव नयागंव ग्राम पंचायत पिपरिया दौलत जनपद पंचायत गंज बासौदा जिला विदिशा में निवास करते हैं। उनका जीवन कठिनाइयों से भरा हुआ था, क्योंकि वह और उनका परिवार एक कच्चे मकान में रहते थे। जो बारिश के मौसम में अक्सर टपकता और टूटता रहता था।

घर की इस स्थिति ने उनके जीवन को और भी असुरक्षित बना दिया था। उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे खुद का पक्का मकान बना सकें। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत अनिल को पक्का मकान बनाने के लिए सहायता दी गई। अब वह एक सुरक्षित और पक्के मकान में रहते हैं, जो बारिश और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित है। इस नए मकान ने न केवल उनके जीवन में स्थायित्व लाया, बल्कि उनके आत्म-सम्मान और जीवन जीने की गुणवत्ता में भी वृद्धि की है। उनके बच्चों के लिए यह एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है, जहाँ वे अब बिना किसी डर के खेल और पढ़ाई कर सकते हैं। इसके साथ ही, उन्हें राशन कार्ड और जाति प्रमाण पत्र भी मिला, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं और छात्रवृत्तियों का लाभ मिला। उनके बच्चों की शिक्षा अब जाति प्रमाण पत्र के आधार पर बिना किसी बाधा के हो रही है,

और राशन कार्ड के जरिए परिवार को हर महीने सस्ते दर पर अनाज मिलता है, जिससे उनका जीवन पहले से बहुत बेहतर हो गया है। इन सरकारी योजनाओं ने अनिल और उनके परिवार को गरीबी के चक्र से बाहर निकालने में मदद की है, और अब वे एक सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही ना हो : कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित कर दोनो विभागो के जिलाधिकारियों सहित विभागीय अन्य अधिकारियों को सचेत करते हुए निर्देशित किया है कि विदिशा जिले में महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यानगत रखते हुए क्रियान्वित की जा रही योजनाओं में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरती जाए। समीक्षा बैठक में सापेक्षित परिणाम परलिक्षित नहीं होने पर उन्होंने लटेरी, सिरोंज बीएमओ को शोकॉज नोटिस जारी करने तथा नटेरन के सीडीपीओ का वेतन रोकने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में एक भी गर्भवती महिला की किन्ही भी कारणो से डिलेवरी घर अथवा रास्ते में नहीं होना चाहिए। गर्भवती महिलाओं की डिलेवरी किस माह में होना संभावित है कि सूची संधारित कर उनसे महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के ग्रामीण अमला सतत सम्पर्क में रहे और उनके घर वालो को आवश्यक टेलीफोन नम्बर अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं ताकि लेबर पेन होने पर अविलम्ब वाहन की सुविधा उपलब्ध हो।

कलेक्टर श्री सिंह ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक एक डिलेवरी घर पर होने एवं रास्ते अथवा लेबर पेन के दौरान 13 महिलाओं की मृत्यु हो जाने पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित क्षेत्रों के ग्राम स्तरीय अमले के साथ-साथ वरिष्ठ व बीएमओ पर करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित विभाग के अन्य अधिकारयों से कहा है कि वे स्वंय स्वास्थ्य सुविधाओं के क्रियान्वयन पर नजर रखें हर रोज की अद्यतन प्रगति का डाटा जिला कार्यालय को हार्ड कॉपी में तथा कलेक्टर को वाटस-अप के माध्यम से संप्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने हरेक ग्रामीण अमले के पास तमाम जानकारी हो को सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रो में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय रहवासियों को मिले के संबंध में नवाचार कर हम उनके विश्वासों पर खरे उतरें।

कलेक्टर श्री सिह ने इसी प्रकार के निर्देश महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को दिए है ताकि जिले में कुपोषण सहित अन्य दाग जो जिले में लगे है वे सब मिट सके। उन्होंने पोषण टेऊक में सभी गर्भवती महिलाओं के नाम दर्ज करने, आधार से संबंधित यदि कोई कमी हो तो उसमें सुधार कर लिया जाए। इस माह में जिन गर्भवती महिलाओं की डिलेवरी होना है उन सबका संस्थागत प्रसव हो। हाईरिस्क वाली गर्भवती महिलाओं पर विशेष नजर रखी जाए। उन्होंने आगामी बैठक में विभाग की उपलब्धियां स्पष्ट रूप से परलिक्षित हो के निर्देश दिए है।

कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित उक्त बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी, सिविल सर्जन सह अधीक्षक श्री डॉ शिरीष रघुवंशी, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री भरत राजपूत के अलावा दोनो विभागो के अन्य अधिकारी मौजूद रहें वहीं खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया है।

पटरी पर फंसा ट्रैक्टर, इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी ट्रेन

सोमनाथ एक्सप्रेस के पायलट ने उसी ट्रैक पर आ रही दूसरी ट्रेन को किया अलर्ट

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुरम में एक ट्रैक्टर रेलवे ट्रैक क्रॉस करते समय पटरी पर फंस गया। इससे सोमनाथ एक्सप्रेस और दानापुर एक्सप्रेस ट्रेन रोकनी पड़ गईं। एक ट्रेन के लोको पायलट ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद दूसरी ट्रेन के लोको पायलट को अलर्ट करने के लिए ट्रैक पर एक किलोमीटर पहले पटाखे चलाए। इससे दूसरी ट्रेन का लोको पायलट अलर्ट हो गया और उसने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। घटना सोमवार सुबह 10 बजे पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में बागरातवा और गुरमखेड़ी के बीच की है। इससे करीब आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा। मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी गई है।

जबलपुर जा रही थी सोमनाथ एक्सप्रेस- सोमनाथ एक्सप्रेस अप ट्रैक पर इटारसी से जबलपुर जा रही थी। बागरातवा और गुरमखेड़ी के बीच लोको पायलट को बीच में डाउन ट्रैक पर ट्रैक्टर पटरी क्रॉस करते दिखा। यह देखकर उसने स्पीड कम करते हुए ट्रेन रोक दी। गार्ड ने गुरमखेड़ी रेलवे स्टेशन को

सूचना दी। स्टाफ ने उतर कर देखा, तो ड्राइवर ट्रैक्टर छोड़कर भाग गया।

ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ होगी कार्रवाई- पिपरिया आरपीएफ के इंस्पेक्टर गोपाल मीणा ने बताया कि ट्रैक्टर चालक ने रिवर्स में लेकर पीछे करने की भी कोशिश की है, लेकिन वह असफल रहा। संभवतः ट्रैक पार करते समय ट्रैक्टर बंद हो गया था। ट्रैक्टर ड्राइवर की तलाश की जा रही हैं। उसके खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। जांच के बाद करीब आधे घंटे बाद ट्रैक को चालू कर दिया गया।

जिस ट्रैक पर ट्रैक्टर, उस पर आने वाली थी दूसरी ट्रेन

जिस डाउन ट्रैक पर ट्रैक्टर फंसा था, उसी पर कुछ देर बाद ट्रेन नंबर 20934 दानापुर उधना एक्सप्रेस आने वाली थी। सोमनाथ एक्सप्रेस के लोको पायलट ने खतरे को भांपते हुए डाउन ट्रैक पर एक किमी पहले एक सिंगल पटाखा लगाया। रेलवे कंट्रोल को इसकी सूचना दी।

कंट्रोल रूम से गुरमखेड़ी स्टेशन को जानकारी मिली। तब तक दानापुर एक्सप्रेस गुरमखेड़ी स्टेशन से निकल कर दो सिग्नल पार कर चुकी थी। स्टेशन उप प्रबंधक अमर बहादुर यादव ने आनन-फानन में तीसरे सिग्नल को रेड कर दिया। एक किमी पहले लगा पटाखा भी फूटा, जिससे ड्राइवर ने तुरंत ही इमरजेंसी ब्रेक लगाया। साथ ही दूसरी ट्रेनों को आसपास के स्टेशनों पर रोका गया।

बुरहानपुर में एसबीआई एटीएम में लगी आग

2 दमकल की मदद से बुझाई, तीन मशीनें जलीं, शॉर्ट सर्किट की वजह से हादसा

बुरहानपुर (नप्र)। बुरहानपुर में कमल प्लाजा कॉम्प्लेक्स में एसबीआई एटीएम में रविवार-सोमवार की रात करीब 2 बजे अचानक आग लग गई। यहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने आग की सूचना पुलिस को दी। पुलिस बल मौके पर पहुंचा और तत्काल नगर निगम

दमकल को बुलाया गया। दो दमकलों की मदद से कुछ देर में आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन आग लगने से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। आग का कारण फिलहाल शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

शिकारपुरा थाना प्रभारी कमल सिंह पंवार ने बताया सूचना मिली थी कि एसबीआई बैंक का एटीएम है। यहां पर आग लग गई है। सूचना पर तत्काल फायर फाइटर को बुलाया गया। कुछ देर में आग पर काबू कर लिया गया। एक अधिकारी और एक जवान को यहां तैनात किया गया है। बैंक मैनेजर और इंजीनियर को बताया गया है। जांच के बाद पता चलेगा कि आग का कारण क्या है। फिलहाल देखने पर यह स्थिति नजर आई है कि आग का कारण शॉर्ट सर्किट से लगी है। सूचना के बाद दमकल के साथ पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाया गया।

रातभर पुलिस बल रहा तैनात

एटीएम में कितना पैसा था। यह आज पता चल पाएगा। एटीएम इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर एक कॉम्प्लेक्स में है। गनीमत रही कि आग से दूसरी दुकानें चपेट में नहीं आई। सुरक्षा की दृष्टि से यहां एक अधिकारी और एक जवान की ड्यूटी लगा दी गई। इस हादसे में 3 एटीएम जले हैं।

एडवोकेट के घर के बाहर ब्लास्ट

परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित, सीधी में पुलिस-बम स्क्वायड टीम जांच करने पहुंची

सीधी (नप्र)। सीधी जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर की दूर ग्राम बरदैला में रात एडवोकेट पी. पी. पांडे के घर के पास जोरदार धमाका हुआ। जिसकी वजह से पूरा परिवार दहशत में आ गया। घर के लोग तुरंत बाहर निकले। सोमवार को पुलिस, बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची।

घटना रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत ग्राम बरदैला की है। जहां रविवार देर रात ब्लास्ट हुआ। इससे पूरे गांव में दहशत का माहौल है। घटना के बाद लोगों ने डायल हंड्रेड की टीम को सूचना दी। इसके बाद मौके पर देर रात पुलिस पहुंची। सोमवार को सुबह होते ही पुलिस ने बम स्क्वायड को सूचना दी। सुबह 11 बजे बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड की टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। लेकिन हमले को कोई भी ठोस सबूत नहीं मिला। फरियादी पी पी पांडे ने बताया कि रविवार रात 11:25 पर हम सभी खाना खा रहे थे। तभी जोरदार धमाका हुआ। धमाके की वजह से मेरी हिम्मत नहीं पड़ रही थी कि मैं बाहर निकल जाऊं। तब मैंने अपने अधिवक्ता साथी गौरी शंकर को फोन लगाया और उन्हें मौके पर बुलाया।

ऋषि पंचमी पर श्रीराम बाबा ने देह त्यागी

रायसेन। परमहंस गुरुवर हनुमान जी श्रीराम बाबाजी ने ऋषि पंचमी के अवसर पर अपरान्ह 4 बजकर मिनट पर देह त्याग किया। वे बौरास कुटी उदयपुरा में विश्राम में थे। गुरुवर की पार्थिव देह दर्शन के लिए आश्रम में विराजमान है। अंतिम समय में शिष्य राजकुमार पाराशर, वरुण सखा सहित अन्य शिष्य मौजूद थे। लोग श्री राम बाबा जी को रायसेन जिले में एक ऐसे फक्कड़ संत के रूप में घूमते हुए देखते थे जिनके हाथ में कभी गदा होता था तो कभी डंडा। कभी चेहरे पर हंसी का फव्वारा तो कभी आनंद की मटकी। अनौपचारिक भगवा वस्त्रों में घुमंतू इन फक्कड़ साधु को श्री राम बाबा के नाम से लोग जानते थे। उदयपुरा सहित रायसेन एवं अन्य जगहों पर आमतौर पर श्री राम बाबा को करीब 50 साल से ऐसी ही अवस्था में लोगों ने देखा है।

लाठी-डंडे से पीट-पीटकर पिता की हत्या

बेटी बोली- भाई ने दौड़ा-दौड़ा कर मारा, मन नहीं भरा तो पत्थर से सिर कुचला

रीवा (नप्र)। रीवा के गुढ़ में युवक ने अपने ही पिता को लाठी-डंडों से दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। फिर पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। आरोपी ने बहन पर हमला किया। उसे वहां मौजूद लोगों ने बचाया। घटना रविवार शाम गुढ़ थाना क्षेत्र के कुआरी गांव की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अनिल साकेत (26) नशे का आदी है। उसका अपने पिता रामाश्रय साकेत (50) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। पहले दोनों में बहस हुई। इसके बाद अनिल ने पिता पर हमला कर दिया। गंभीर अवस्था में रामाश्रय साकेत को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बेटी बोली- भाई ने पापा को पीट-पीटकर मार डाला- रामाश्रय की बेटी ज्योति साकेत ने बताया, भाई अनिल साकेत पिछले दो-तीन दिन से नशे में धुत होकर आ रहा था। पापा रामाश्रय साकेत शाम को घर में खटिया पर लेटे थे। पापा भी कभी-कभार थोड़ा बहुत पीते थे। घटना के पहले उन्होंने भी थोड़ी शराब पी रखी थी।

नशे की हालत में भाई उनके पास जाकर बार-बार हंगामा कर रहा था। उन्होंने गुस्से में भाई को दूर जाने के लिए कहा। इतने में भाई ने पापा को 4-5 थप्पड़ मार दिए। मैं बीच-बचाव के लिए पहुंची। मैंने फटकार लगाते हुए कहा कि ये क्या रोज-रोज का तमाशा लगा रखा है।

मार्च में इंदौर और धार के बीच दौड़ेगी ट्रेन, रतलाम मंडल ने तय की डेड लाइन

धार-अमझेरा और अमझेरा-सरदारपुर सेक्शन में बारिश के बाद शुरू होगा काम

भोपाल (नप्र)। इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन प्रोजेक्ट को शुरू हुए एक दशक हो चुका है। इस दशक में 205 किमी लंबे रेल लाइन प्रोजेक्ट दो वर्ष पहले तक काम काफी धीमी गति से चल रहा था। मगर, बीते एक वर्ष में पूरे प्रोजेक्ट को अलग-अलग सेक्शन में बांट काम को गति दी गई है।

वर्तमान में इंदौर-टिही और दाहोद-कतवारा के बीच ट्रैक पूरी तरह से तैयार हो चुका है। टिही-धार(नौगांव) के बीच तेजी से रेल लाइन बिछाई जा रही है। वहीं अब धार-अमझेरा, अमझेरा-सरदारपुर और सरदारपुर-झाबुआ के बीच बारिश के बाद काम शुरू हो जाएगा।

मार्च 2025 की रखी समय सीमा

कुल मिलाकर रतलाम मंडल ने मार्च 2025 तक इंदौर-धार के बीच ट्रेन संचालन का लक्ष्य रखा है। इस प्रोजेक्ट का एक बड़ा हिस्सा आदिवासी अंचल को रेल सेवाओं से जोड़ेगा। आवागमन के लिए बेहतर विकल्प मिलेगा। रेल लाइन शुरू होने से इस क्षेत्र का विकास भी तेजी से होगा। साल 2008 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट का काम साल 2013 में शुरू हुआ था। वर्तमान में इंदौर-टिही रेलखंड में मालगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। दाहोद से कतवारा तक काम पूरा हो चुका है। टिही-धार(46 किमी) रेलखंड पर ट्रैक बिछाने काम किया जा रहा है।

आदिवासी अंचल में तेज होगा विकास

प्रोजेक्ट में सोगार, गुनावद, नौगांव, झाबुआ, पिटोल में नई रेलवे स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म आदि का निर्माण शुरू कर दिया है। रेल अफसरों के अनुसार इस प्रोजेक्ट से आदिवासी अंचल में तेजी से विकास होगा। लक्ष्य अनुसार मार्च 2025 तक इंदौर-धार सेक्शन में ट्रेन संचालन करना है।

इसके साथ पूरे प्रोजेक्ट को 2026 तक पूरा करना है। इसलिए टिही-धार के साथ ही अब बारिश के बाद धार-अमझेरा (20 किमी) और अमझेरा-सरदारपुर (20 किमी) सेक्शन का काम शुरू कर दिया जाएगा।

दिसंबर तक सरदारपुर-झाबुआ (60 किमी) सेक्शन में भी काम शुरू हो जाएगा। कतवारा से झाबुआ के बीच भी पटरी बिछाने का काम चल रहा है।

बाइक समेत नदी में बहा पूरा परिवार

मां-बेटे की मौत,बेटी को बचाया, पति की तलाश, बचाने कूदे दो युवकों में से एक लापता

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर के नाहरगढ़ में शिवना नदी पर बने बिल्लोद पुल को पार करते समय बाइक सवार दंपती और दो बच्चे नदी में बह गए। इनमें एक बच्चे की उम्र महज 4 महीने थी। इन्हें बचाने दो युवक कूदे तो वे भी डूब गए। स्थानीय लोगों ने किसी तरह एक बच्ची और एक युवक को बचा लिया है। वहीं, गोताखोरों की मदद से महिला और एक बच्चे का शव बरामद किया गया है। महिला के पति और बचाने वाले एक युवक की तलाश की जा रही है। पुल के ऊपर से अब भी पानी बह रहा है। हादसा सोमवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे का बताया जा रहा है।

दो शव बरामद, दो लोगों की तलाश- मंदसौर ग्रामीण एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि डूंगर सिंह (37) सीतामऊ तहसील के मोरखेड़ा गांव का रहने वाला है। वो अपनी पत्नी संगीता (35), बेटी यतिका (12) और एक 4 महीने के बेटे को बाइक से लेकर कहीं जा रहा था। पुल पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। उनको बचाने के लिए दो युवकों ने नदी में छलांग लगा दी, लेकिन बहाव इतना तेज था कि बचाने के लिए कूदे व्यक्ति भी डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह एक बच्ची यतिका और एक अन्य युवक को बचा

लिया। मौके पर गोताखोर भी बुलाए गए। करीब एक घंटे की तलाशी के बाद संगीता और उसके 4 माह के बेटे का शव मिला। वहीं, डूंगर सिंह और बचाने के लिए कूदे बबलू की तलाश की जा रही है।

पुलिस बोली- लोगों के मना करने पर भी पुल पार किया

पुलिस के मुताबिक डूंगर सिंह पत्नी और दो बच्चों के साथ बाइक से पुल पार कर रहा था। बाइक की टंकी पर बैग रखा था। पीछे 12 साल की बेटी और पत्नी बैठी थी, पत्नी की गोद में 4 महीने का बच्चा था। पुल पर तेज पानी बह रहा था। लोगों ने डूंगर सिंह को पुल पार करने से मना किया, लेकिन वह नहीं माना और पुल पार करने लगा।

पुल के बीच पहुंचने पर टंकी पर रखा बड़ा बैग गिरने लगा। जिसे पत्नी ने एक हाथ से पकड़ने की कोशिश की। इसी दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ा और बाइक सहित पूरा परिवार पुल से नीचे नदी में जा गिरा।

एसडीएम बोले- दो शव बरामद, दो लोगों की तलाश

एसडीएम रविन्द्र सिंह परमार ने बताया कि रात में जलस्तर बढ़ने से शिवना के पुल पर पानी था। सुबह पानी पुलिया से उतर गया था तो हल्का आवागमन हो रहा था। बाइक पर लोग 4 लोग एक साथ थे। आगे बैग भी रखा हुआ था। तभी बैलेंस बिगड़ने के कारण हादसे की आशंका है। दो लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। दो लोगों की तलाश एसडीईआरएफ टीम कर रही है। दोनों तरफ चौकीदार और पीडब्लडी के गैंगमैन भी थे। स्थानीय जीआरएस भी थे।पता करेंगे, क्या-कैसे हुआ होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दमोह जिले में बालिकाओं के निधन पर दुख व्यक्त किया,परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दमोह जिले के नोहटा थाना क्षेत्र के डूमर गांव के तालाब में डूबने की हृदय विदारक घटना में दो बहनों सहित चार बालिकाओं के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत मासूम बच्चियों की पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा है कि दुःख की इस घड़ी में हम सभी शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चारों बच्चियों के परिवारजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

म.प्र.के जिले और संभाग की सीमाओं में होगा बदलाव

जन-सामान्य की सुविधा और बेहतरी की दृष्टि से जिला और संभागों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन (नप्र)। मध्य प्रदेश में रहने वाले लोगो के अब जिले बदले जा सकते हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के उन जिलों का परिसीमन करने जा रही है जहां पर लोग अपने जिला मुख्यालय से कई किलोमीटर दूर रहते हैं। जबकि, अन्य जिला उनके बहुत नजदीक हैं। इस तरह की परिस्थितियों और विसंगतियों को दूर करने के लिए परिसीमन आयोग बनाया गया है। आने वाले दिनों में कुछ संभाग और जिलों की सीमाओं को बदला जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जन सामान्य की सुविधा और बेहतरी के उद्देश्य से जिले और संभाग की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया जाएगा। मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है, राज्य का क्षेत्रफल अधिक है परंतु जिला और संभागों की सीमाओं के कारण लोगों को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। कई गांव ऐसे हैं जिनकी जिला मुख्यालय से दूरी बहुत अधिक है, इसी प्रकार कई संभाग बहुत छोटे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस संबंध में उदाहरण देते हुए कहा कि बड़े जिलों जैसे सागर, उज्जैन, इंदौर और धार में कई समस्याएं हैं। बीना में रिफाइनरी स्थापित होने से यह एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में उभरा है, है। आने वाले समय में बीना क्षेत्र का भी युक्तियुक्तकरण किया जाएगा।

नए सिरे से होगा प्रदेश का परिसीमन

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में कहा कि प्रदेश सरकार ने परिसीमन आयोग का गठन किया है। जिसमें रिटायर्ड एसीएस मनोज श्रीवास्तव को इस काम का जिम्मा सौंपा है। जिले और संभाग का नए सिरे से परिसीमन होने से आम लोगों को दूर-दूर जिले में जाने के लिए होने वाली दिक्कतों से छुटकारा मिल सकेगा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश भौगोलिक दृष्टि देश का दूसरा सबसे बड़ा प्रदेश है और यहां जिले की सीमा को लेकर कई विसंगतियां है।

कई लोगों को अपने जिले में होने वाले कार्य के लिए दूर जाना पड़ता है। उनके गांव या शहर के पास अन्य जिला है। इसी तरह कई संभाग बड़े छोटे हैं, परिसीमन आयोग की मदद से नजदीक के स्थानों को पास के जिले या संभाग से जोड़ा जाएगा। उज्जैन, इंदौर, धार, सागर जैसे कई जिले है जिसमें कठिनाई है।

सीएम ने बीना को लेकर भी कहा कि बीना में रिफाइनरी बन गई है वह बड़ा स्थान बन गया है। इस बारे में विचार किया जाएगा। जिस तरह पुलिस थानों की सीमा बदली गई थी। उसी तरह जिले और संभागों का परिसीमन होगा।

सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव को सौंपा दायित्व- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस प्रकार की सभी विसंगतियों को दूर करने के उद्देश्य से नया परिसीमन आयोग गठित कर जिलों व संभागों के पुनरीक्षण का दायित्व सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव को सौंपा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन-सामान्य से गांवों और जिलों की सीमाओं के पुनरीक्षण संबंधी सुझाव श्री मनोज श्रीवास्तव को उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की बेहतरी और जन-सुविधा की दृष्टि से हर संभव कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मैगी-नूडल्स में निकले जिंदा कीड़े, कस्टमर ने वीडियो बनाया

कंज्यूमर फोरम में शिकायत की ; कहा-पानी में नूडल्स डालते ही तैरने लगे कीड़े

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर के कटंगी की एक किराना दुकान से खरीदी गई मैगी नूडल्स में जिंदा कीड़े निकले हैं। मैगी नूडल्स के पैकेट पर पैकेजिंग डेट मई 2024 और इसकी एक्सपाइरी डेट जनवरी 2025 दर्ज है। कस्टमर ने इसकी शिकायत नेशनल कंज्यूमर फोरम में की है।

कटंगी के रहने वाले अंकित सेंगर ने बताया कि तीन दिन पहले उन्होंने पड़ोस की दुकान पारस पतंजलि से मैगी नूडल्स खरीदी थी। घर लाकर मैगी पानी में

डाली तो कीड़े तैरने लगे। वे किराना दुकान पहुंचे। दुकानदार ने कहा कि ये कंपनी का प्रोडक्ट है। दुकानदार के सुझाव पर उन्होंने रविवार शाम करीब 6.30 बजे नेशनल कंज्यूमर फोरम के हेल्पलाइन नंबर 1800114000 पर कॉल कर शिकायत की है।शिकायत करने पर उन्हें बताया गया कि मंगलवार को जबलपुर फूड सेफ्टी ऑफिसर घर आकर सैम्पल लेंगे। यह भी कहा गया कि नेस्ले कंपनी की टीम भी कॉन्टैक्ट करेगी।मैगी पैकेट पर पैकेजिंग डेट मई 2024 और इसकी एक्सपाइरी डेट जनवरी 2025 दर्ज है।

7 रुपए वाले 10 पैकेट खरीदे थे- अंकित के मुताबिक, उन्होंने 7 रुपए वाले 10 मैगी नूडल्स के पैकेट खरीदे थे। 3 पैकेट बन चुके थे। चौथा पैकेट जब उनकी पत्नी ने बनाने की तैयारी की, तभी बच्चे ने जिद की कि मैं बनाऊंगा। पत्नी पानी गर्म कर रही थीं, बेटे ने पैकेट खोलकर नूडल्स पानी में डाल दिए। देखा तो पानी में कीड़े तैरने लगे। नूडल्स को फौरन एक पॉलिथीन में रख लिया।

2015 में मैगी पर लग चुका 6 महीने का बैन- जून 2015 में मैगी पर तय लिमिट से ज्यादा केमिकल होने के आरोप के बाद पूरे देश में 6 महीने के लिए बैन लगा दिया गया था। तब कंपनी को 38,000 टन मैगी नूडल्स को वापस मंगाना और नष्ट करना पड़ा था। इसके बाद नवंबर 2015 में प्रतिबंध में ढील दी गई थी।